पटना ● गुरुवार, 05 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः236 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

डीएम सौरभ जोरवाल ने बच्चों को... 3 www. bordernewsmirror.com फिल्म द बकिंघम मर्डर्स... 8

कंगना की इमरजेंसी को नहीं मिली तुरंत राहत

● अब 18 सितंबर से पहले नहीं हो पाएगी रिलीज

मुंबई (एजेंसी)। कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को तुरंत राहत देने से बॉम्बे हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने सेंसर बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह फिल्म को लेकर पेश की गई आपत्तियों पर विचार करे और 18 सितंबर तक सर्टिफिकेट जारी करे। अदालत के इस आदेश के बाद यह तो

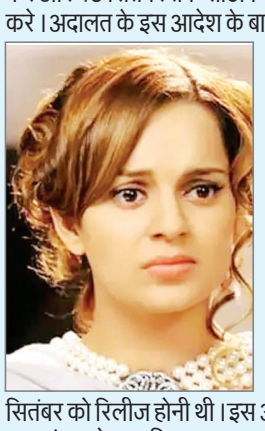

तय हो गया है कि फिल्म की रिलीज कम-से-कम दो सप्ताह के लिए टल जाएगी। पहले फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी। इस आदेश के बाद कंगना ने कहा कि अदालत का यह कहना कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का आदेश नहीं आया होता तो सेंसर बोर्ड को सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश देते, बता रहा है कि उसे फटकार लगी है। इसके साथ ही अदालत ने आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

● पत्नी पायलट, एक रुपए सैलरी...

छत्तीसगढ़ के चर्चित आईएएस अमित कटारिया की वापसी

रायपुर (एजेंसी)। दमदार आईएएस अधिकारी अमित कटारिया की छत्तीसगढ़ में वापसी हो गई है। वह अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। हालांकि वापसी के बाद उन्हें कोई विभाग नहीं मिला है। अमित कटारिया छत्तीसगढ़ में चर्चित आईएएस

अधिकारी रहे हैं। रमन सिंह की सरकार के दौरान वह काला चश्मा पहनकर पीएम नरेंद्र मोदी के सामने चले गए थे। यह उनके करियर का एक बड़ा विवाद था। इसे लेकर उन्हें नोटिस थमाया गया था। इसके साथ ही शुरुआती दिनों में वह नौकरी के दौरान महज एक रुपए की सैलरी लेते थे। आईएएस अफसर अमित कटारिया एक बड़े कारोबारी घराने से ताल्लुक रखते हैं। छत्तीसगढ़ के चर्चित आईएएस अफसर अमित कटारिया सात साल बाद वापस राज्य लौट आए हैं। कटारिया केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आकर अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर ली है।

'बुलडोजर' ऐक्शन पर यूपी में आर-पार का संग्राम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर ऐक्शन पर राजनीति गरमाने लगी है। बुलडोजर एक्शन पर दोतरफा हमला शुरू हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों बुलडोजर कार्रवाई पर बड़ी सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए जाने की बात कही गई है। अब इस मामले पर यूपी का राजनीतिक पारा हाई है। पहले अखिलेश यादव का बयान आया। उन्होंने कहा कि 2027 में बुलडोजर का रुख गोरखपुर की तरफ मोड़ा जाएगा। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश पर करारा हमला

बोला। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत होनी चाहिए। अब अखिलेश यादव ने सीएम योगी के बयान पर पलटवार किय है। उन्होंने कहा है कि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता है। यूपी चुनाव 2027 को लेकर अखिलेश ने कहा कि जनता बुलडोजर का स्टीयरिंग ही बदल देगी। अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर जवाबी हमला बोलते हुए कहा है कि यूपी सरकार ने जानबूझकर बुलडोजर चलवाए हैं। बुलडोजर ऐक्शन असंवैधानिक है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि बुलडोजर ऐक्शन असैंवाधानिक है।

ब्रूनेई में चीन का नाम लिए पीएम मोदी ने किया 'खेला'

● सुल्तान के सामने प्रधानमंत्री ने कहा-भारत विस्तारवाद के खिलाफ ● सिंगापुर पहुंचे मोदी, ढोल बजाया, भारतवंशी महिला ने राखी बांधी

सिंगापुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रूनेई के दौरे के बाद 2 दिन की यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। यहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने ढोल भी बजाया। लोगों ने पीएम मोदी को भगवा रंग का गमछा भेंट किया। सिंगापुर के जिस होटल में वे ठहरे हैं, उसके बाहर भी भारतीय समुदाय के लोग उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे। लोगों ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी भी ली। इस दौरान एक महिला ने उन्हें राखी भी बांधी। सिंगापुर यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग समेत कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इससे पहले बुधवार को पीएम ने ब्रूनेई सुल्तान बोल्किया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा, तकनीक और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने बंदर सेरी बेगवान और चेन्नई के बीच सीधी फ्लाइट शुरू करने के फैसले का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की। ब्रूनेई के सुल्तान ने पीएम मोदी के सम्मान में दुनिया के सबसे बड़े महल 'इस्ताना नुरुल इमान' में लंच भी होस्ट किया। पीएम मोदी ने इस दौरान चीन का नाम लिए बिना बड़ा वार किया। पीएम ने इशारों-इशारों में चीन की विस्तारवादी नीति का कड़ा विरोध किया।

एक लाख 45 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

● रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया फैसला ● दुश्मनों की आएगी शामत! टैंक, रडार से लेकर प्लेन तक की होगी खरीदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सशस्त्र सेनाओं की क्षमता बढ़ाने और आधुनिकीकरण के लिए करीब 1 लाख 45 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को यह फैसला लिया गया। रक्षा खरीद परिषद ने एक लाख 44 हजार 716 करोड़ रुपये की राशि के 10 पूंजी खरीद प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई। इन सौदों की कुल लागत का 99 प्रतिशत देश में ही डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी का होगा। इनमें सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स की खरीद का प्रस्ताव भी शामिल है। एफआरसीवी बेहतर गतिशीलता, सभी इलाकों में काम करने की क्षमता, बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक और घातक आग पर काबू पाने वाले उपकरणों से लैस मुख्य युद्धक टैंक है। परिषद ने एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की खरीद के लिए भी मंजूरी दी है, जो हवाई लक्ष्य का पता लगाएगा। साथ ही, यह ट्रैक करने के साथ-साथ फायरिंग करने में भी सक्षम होगा। फॉरवर्ड रिपेयर टीम की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है जिसमें मशीनीकृत ऑपरेशन के दौरान इन-सीटू मरम्मत करने के लिए उपयुक्त क्रॉस कंट्री गतिशीलता है। यह उपकरण बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड की ओर से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन और बख्तरबंद रेजीमेंट दोनों के लिए मंजूर किया

गया है। भारतीय तट रक्षक की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए जरूरतों के आधार पर खरीद के 3 प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। डोर्नियर-228 विमान खराब मौसम की स्थिति में उड़ान भरने में सक्षम हैं। साथ ही, अगली पीढ़ी के तेज-तर्रार अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद होगी।

अब 'शाही स्नान' का नाम बदलना चाहते हैं संत

● शाही शब्द पर इस्लामिक और मुगलकालीन प्रभाव के लगाए आरोप

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में हर 12 वर्षों में एक बार महाकुंभ लगता है। इस बार महाकुंभ 2028 में उज्जैन के क्षिप्रा तट पर लगने वाला है। महाकुंभ की तैयारियों के बीच संतों ने 'शाही स्नान' शब्द पर आपत्ति जताते हुए नाम बदलने की मांग की है। कुछ संतों का कहना है कि यह शब्द इस्लामिक होने के साथ भारत पर मुगल साम्राज्य के प्रभाव को याद दिलाने वाली है। इसलिए इस शब्द को तुरंत हटाना चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने कहा है कि 13 अखाड़ों के साथ मिलकर इस संबंध में चर्चा की जाएगी और नाम बदलने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की 'शाही' सवारी को लेकर भी इसी तरह का विवाद उठा था। इसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाही सवारी का नाम बदलकर 'राजसी सवारी' किया था। इसके बाद अब साधु संत उज्जैन में होने जा रहे सिंहस्थ कुंभ में 'शाही स्नान' का नाम बदलवाना चाहते हैं। अखाड़ा परिषद का कहना है कि सभी महामंडलेश्वर से चर्चा के बाद नाम बदलने के प्रस्ताव को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखा जाएगा।

शिक्षा विभाग के डीपीओ को कौन दे रहा है संरक्षण?

कई वरीय अधिकारी भी सवालों के घेरे में

चार माह से पदस्थापन के इंतेजार में है वरीय डीपीओ

सागर सूरज। मोतिहारी

भले ही शिक्षा विभाग को लेकर सरकार कितनी भी संजीदगी दिखाये परंतु, निचले स्तर के अधिकारी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे है। विवादास्पद अधिकारियों को इतने सारे आरोपों के बाद भी विभाग के मुख्य पदों पर लगातार बनाए रखना जिले के वरीय अधिकारियों पर भी सवालिया निशान पैदा करता है। लगातार आरोपों से घिरे जिला शिक्षा विभाग के स्थापना के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) साहब आलम मीडिया के निशाने पर है। वैसे तो भ्रष्टाचार और हत्या जैसे संगीन आरोपों को झेल चुके साहब आलम पर इन दिनों अवैध रूप से स्थापना डीपीओ बने रहने के आरोप लग रहे है। विभागीय नियमों पर अगर नजर डाली जाए तो केवल सबसे वरीय अधिकारी ही स्थापना के डीपीओ हो सकते है। परंतु, विभाग को जिले मे पवन कुमार जैसे वरीय अधिकारी के होते हुए साहब आलम उक्त पद पर विराजमान है। पवन कुमार गत चार माह से अपने पदस्थापना का इंतेजार कर रहे है, यही नहीं इतने सारे आरोपों से घिरे साहब आलम को वरीय के रहते किस परिस्थिति मे उक्त पद पर रखा गया है ये सब जांच का विषय है। सनद रहे कि विभागीय नियमानुसार डीपीओ वरीय को स्थापना देने का प्रावधान होने की बात बताई जा रही है। जबकि द्वितीय कनीय को लेखा उसके बाद अगले कनीय को सर्वशिक्षा और क्रमश माध्यमिक और सबसे कनीय को एमडीएम यानि मध्यायन भोजन प्रभारी का पद देने का प्रावधान बताया गया। परंतु, इन तमाम नियमों को ताक पर रख कर किसके संरक्षण में साहब आलाम स्थापना के प्रभार मे बने हुए है, यह जांच का विषय है, जबकि कई वरीय कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभार के इंतेजार में है। इधर जिला शिक्षा पदाधिकारी से वाट्सअप मैसेज और सरकारी नंबर पर फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया। जहां वाट्सअप मैसेज का कोई जवाब नहीं आया वही सरकारी नंबर भी कॉल फॉरवर्ड मोड में बताया। इधर डीपीओ पवन कुमार ने भी किसी भी तरह के बयान देने से इनकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि आदापुर के एक मामले मे साहब आलम पर हत्या का मामला अनुसंधान में है। परिजनों का आरोप है कि पेंशन को लेकर एक विकलांग शिक्षक को साहब आलम ने इतना दौड़ाया कि शिक्षक को हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। मामले मे साहब आलम प्रताड़ना और हत्या के आरोप झेल रहे हैं।

अब सीना फैलाकर पहले की तरह नहीं चलते मोदी

राहुल गांधी बोले-देश की जनता से डरने लगे हैं पीएम

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज से जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। कांग्रेस लीडर ने कहा कि हमने नरेंद्र मोदी को मानसिक रूप से उड़ा दिया है। उनका आत्मविश्वास ही गायब हो गया। उन्होंने पहले कहा कि जाति जनगणना नहीं होगी। अब आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि यह सही बात है। पहले उन्होंने कहा कि लैटरल एंट्री से बाहर के लोगों को सरकार में लाएंगे। थोड़ा सा दबाव डाला तो भाजपा बोली ऐसा नहीं होगा। आप यह समझ लीजिए कि नरेंद्र मोदी अब देश की जनता से डरते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि थोड़ा ही समय बचा है और हम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को सत्ता से हटा देंगे। उन्होंने कहा कि पहले नरेंद्र मोदी

जी सीना फैला कर आते थे, अब ऐसा नहीं है। पहले बड़े-बड़े भाषण देते थे। अब संसद में जाने से पहले संविधान को सिर पर रखा और फिर अंदर गए। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि एक राज्य से उसका दर्जा छीन लिया गया और यूटी बना दिया। हमने तय किया है कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना है। आपका धन छीना जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपका पैसा बाहर के लोगों को दिया जा रहा है। सारे ठेके बाहर के लोगों को मिल रहे हैं। हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने का होगा। हम चाहते हैं कि पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हो। भाजपा ऐसा नहीं चाहती और उनका कहना है कि पहले चुनाव हो फिर राज्य के दर्जे पर बात होगी। हम कहते हैं कि भाजपा चाहे या न चाहे, लेकिन इंडिया इतना दबाव डालेगा कि राज्य का दर्जा देना ही होगा।

राहुल गांधी पिता राजीव से ज्यादा समझदार, वे अच्छी स्ट्रैटजी बनाते हैं

सैम पित्रोदा ने फिर की तारीफ, कहा-उनमें प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत की अवधारणा के संरक्षक हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी पूर्व पीएम राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं और रणनीति बनाने के मामले में भी उनसे बेहतर हैं। पित्रोदा ने जोर देकर कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष पित्रोदा

ने भाजपा के इन आरोपों को 'झूठा' करार देते हुए खारिज किया कि राहुल ने अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान भारत सरकार की आलोचना करने वाली टिप्पणियां की थीं। राहुल गांधी अगले सप्ताह ही अमेरिका जा रहे हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी यहां आधिकारिक यात्रा पर नहीं आ रहे हैं।

पैराशूट से कूदे जवान, फाइटर प्लेन का विक्ट्री फॉर्मेशन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सैन्य महोत्सव के दूसरे दिन फाइटर प्लेन ने विक्ट्री फॉर्मेशन बनाया। पैराशूट से कमांडो कूदे। जवानों ने गांवों में छिपे आतंकियों को खोजकर मार गिराने का रिहर्सल किया। हेलीकॉप्टर से पलभर में जवान रस्सी के सहारे उतरे। पोजिशन ली और टारगेट पर निशाना लगाया। फाइटर प्लेन जगुआर ने आसमान में गोते खाए। ऊपर से गुजरे तो दर्शक हैरान रह गए। लोग खड़े होकर सैल्यूट करने लगे। डॉग स्क्वायड और घुड़सवारों ने भी कमाल दिखाया।

नौसेना के बैंड ने मार्शल ट्यून बजाया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इधर, लखनऊ में सीडीएस के साथ तीनों सेना प्रमुख की कॉन्फ्रेंस हुई। यहां नॉर्थ-ईस्ट और बांग्लादेश के हालात पर चर्चा की गई।

गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र बताते हैं कि बैठक में तीनों सेना के बीच देश की सुरक्षा, हथियार खरीद और वित्तीय योजनाओं पर चर्चा होनी है।

बुलेट छोड़, बैलेट पर जगा अलगाववादियों का भरोसा!

जम्मू-कश्मीर में बदल रही सियासी तस्वीर, भर रहे नॉमिनेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में कई अलगाववादी नेता मुख्यधारा की राजनीति में स्विच करते दिख रहे हैं। अलगाववादी नेता और हुर्रियत सदस्य सैयद सलीम गिलानी रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गए। गिलानी पीडीपी कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी में इस राजनीतिक दल में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने कहा, पीडीपी ऐसी पार्टी है जो लोकतांत्रिक अधिकारों, मानवाधिकारों और लोगों के राजनीतिक अधिकारों की बात करती है। यह कश्मीर समस्या के राजनीतिक समाधान की बात करती है। इसलिए मुझे लगा कि इसमें शामिल होने के लिए यह सही पार्टी है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे का समाधान केवल राजनीतिक रूप से ही हो सकता है। बंदूक से कोई समाधान नहीं हो सकता। हिंसा में खत्म हो रही जिंदगियों को बचाने का यही एकमात्र तरीका है। सैयद सलीम गिलानी जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह का करीबी सहयोगी रहा है। वह मीरवाइज उमर फारुक के नेतृत्व वाली हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की जनरल काउंसिल के सदस्य थे। गिलानी का स्वागत करते हुए मुफ्ती ने कहा कि यह अच्छी बात है कि पूर्व अलगाववादी नेता कश्मीर समस्या का शांतिपूर्ण

समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमने गिलानी से पीडीपी के टिकट पर चुनाव लड़ने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि किसी और को चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए।' नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भी इसका स्वागत किया है। उमर ने कहा कि अलगाववादी नेताओं का मुख्यधारा के दलों में शामिल होने और जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने का फैसला वैचारिक बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा, इससे पहले जब भी चुनाव होते थे, अलगाववादी बहिष्कार का मुद्दा उठाते थे। आज वे चुनाव लड़ रहे हैं। यह दर्शाता है कि वैचारिक परिवर्तन हुआ है। उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था कि क्या अलगाववादी नेता सैयद सलीम गिलानी का पीडीपी में शामिल होना 2002 के चुनावों में पीडीपी को अलगाववादियों के समर्थन का सबूत है।

पूर्व अलगाववादी नेताओं ने भरा अपना नॉमिनेशन

जमात-ए-इस्लामी के 2 पूर्व सदस्यों ने पहले चरण के चुनाव के लिए दक्षिण कश्मीर से नॉमिनेशन फाइल किया है। पूर्व जमात नेता तलत मजीद ने फर्स्ट फेज के लिए पुलवामा विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र भरा। जमात के एक अन्य पूर्व नेता सयार अहमद रेशी ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से अपना नॉमिनेशन दाखिल किया। इसी तरह, जमात के पूर्व सदस्य नजीर अहमद देवसर निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इंजीनियर रशीद ने लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की, जिससे दूसरे अलगाववादी नेताओं का चुनाव लड़ने को लेकर मनोबल बढ़ा है। राशिद की अवामी इत्तेहाद पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव के लिए 9 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची भी जारी कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

एडवेंचर कैंप में भाग लेंगे राहुल और काजल कुमारी

दरभंगा, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के पोंग डेम में स्थित अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनीयरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स, वाटर स्पोर्ट्स सेंटर के तत्वावधान में 13 से 22 सितंबर तक आयोजित दस दिवसीय आवासीय साहसिक शिविर (एडवेंचर कैंप) में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के दो एनएसएस स्वयंसेवक राहुल कुमार व काजल कुमारी भाग लेंगे। ये दोनों जीएमआरडी कॉलेज के छात्र- छात्रा हैं। विवि के एनएसएस समन्वयक डॉ. आरएन चौरसिया ने बताया कि दोनों स्वयंसेवक एडवेंचर कैंप में लनामिवि का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन दोनों प्रतिभागियों का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना के पटना स्थित क्षेत्रीय निदेशालय के माध्यम से किया गया है। इस एडवेंचर कैंप में बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 10 एनएसएस स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। डॉ. चौरसिया ने बताया कि दोनों स्वयंसेवक अपने संस्थान से सत्यापित एनएसएस वोलेंटियरशिप सर्टिफिकेट, इंडेमनिटी बॉन्ड तथा रिकॉग्नाइज्ड मेडिकल ऑफिसर से सत्यापित मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट की मूल कॉपी लेकर एडवेंचर कैंप में जाएंगे। इस टीम के दलनायक के रूप में रोहतास महिला कॉलेज, सासाराम के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. कुमार गौरव मिश्रा होंगे। विवि के एनएसएस स्वयंसेवकों का एडवेंचर कैंप के लिए चयन होने पर विवि एवं कॉलेजों की एनएसएस इकाईयों में खुशी का माहौल है।

सूबेदार स्व.राम छबिला सिंह की 25वीं पुण्य तिथि पर प्रवेश द्वार का हुआ शिलान्यास

छपरा, एजेंसी। 6 मांझी के चंदउपुर में मंगलवार को सूबेदार स्व. राम छबिला सिंह की पुण्य तिथि पर प्रवेश द्वार का शिलान्यास करते परिजन दाउदपुर(मांझी)। मांझी प्रखंड के चंदउपुर गांव में मंगलवार को सेना में सूबेदार पद से सेवानिवृत्त स्व.राम छबिला सिंह की 25 वीं पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया। शुभारंभ में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने स्व.सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। उनके पुत्र एयरफोर्स के जवान रिंकू कुमार सिंह एवं अशोक सिंह ने बताया कि मेरे पिता स्व.राम छबिला सिंह ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रजौरी सेक्टर में तत्कालीन ब्रिगेडियर द्वार स्वर्गीय राम छबिला सिंह के नाम पर एक सेक्टर बनाया गया। समारोह के आरंभ में आचार्य राजू पंडित द्वारा पूरे विधिवत पूजा-आर्चना करायी गई। वहीं स्व.सिंह की पत्नी के द्वारा उनके नाम पर एक द्वार का शिलान्यास किया गया। सूबेदार स्व.सिंह के छह पुत्र व चार पोता आज भी सेना में हैं। ग्रामीणों की मानें तो चंदउपुर गांव के करीब डेढ़ सौ लोग सेना में अभी कार्यरत हैं। लगभग ढाई सौ की संख्या में सेवानिवृत्त हो चुके है। अंत में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायक अजीत हलचल व सनी सिंह ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। कैप्टन अतुल कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, अनिश कुमार, राहुल कुमार, अंकित कुमार, आदित्य कुमार, अक्षय कुमार, सत्यम कुमार, शिवम कुमार, संदीप कुमार सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भाजपा का सदस्यता अभियान का शुरू

पूर्णिया, एजेंसी। जलालगढ़ भाजपा मंडल में सदस्यता अभियान की शुरुआत मंगलवार से की गई। घर-घर जाकर लोगों को भाजपा से जोड़ा जा रहा है। भाजपा अररिया जिला प्रभारी विधि प्रकोष्ठ कुंदन कुणाल के नेतृत्व में यह कार्य किया जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की लोककल्याणकारी योजना, जन धन, उजवला योजना, प्रधानमंत्री आवास से लोग उत्साहित हैं। लोग आगे बढ़कर भाजपा के सदस्यता अभियान से जुड़ रहे हैं। भाजपा के सदस्यता अभियान में दीपक कुमार, चौहान, शंकर यादव, कांति कुमार, अशोक रजक, सुमन कुमार, सोनू कुमार, राहुल यादव, मुकेश झा, दीपक कुमार आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार

पूर्णिया, एजेंसी। उच्च मुख्यालय के निर्देशानुसार क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पूर्णिया के द्वारा मिलिया कान्वेन्ट इंग्लिश स्कूल कसबा में वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रक मुख्यालय, पूर्णिया के सहायक कमांडेंट संभू नाथ बर्मन के नेतृत्व में अधीनस्थ अधिकारीगण,कार्मिकों, अध्यापकों, छात्र- छात्राओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। सहायक कमांडेंट ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है।

भाजपा की मेगा सदस्यता अभियान की शुरुआत 60 दिन में 1 करोड़ सदस्य बनाने का है लक्ष्य

टारगेट पूरा किया तो 105 करोड़ रुपए तक जुटाएगी पार्टी

पटना, एजेंसी। भाजपा ने देश भर में मेगा सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी का पहला सदस्य बनकर सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। बिहार में बीजेपी ने 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मात्र 2 महीने में 1 करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए बीजेपी लगातार बैठक कर रही है। कार्यकर्ताओं को टारगेट पूरी करने की रणनीति बता रही है। कोई सदस्य बनना चाहता है तो उसे सदस्य बनने के लिए 5 रुपए की राशि देनी होगी। साथ ही कम से कम 100 रुपए का डोनेशन देना होगा। ऐसे में अगर बिहार में बीजेपी एक करोड़ सदस्य बनने का टारगेट पूरा करती है तो पार्टी 105 करोड़ रुपए सदस्यता शुल्क के रूप में जुटाएगी। भाजपा का सदस्य बनने के लिए कम से कम 100 रुपए का डोनेशन देना अनिवार्य है। बिना डोनेशन दिए कोई भी सदस्य नहीं बन सकता है। बीजेपी ने सदस्य बनने के लिए कम से कम 100 रुपए और अधिक से अधिक 1 लाख तक की राशि डोनेशन के रूप में तय किया है।

5 सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा अभियान

बीजेपी ने रणनीति के तहत 5 सितंबर को बिहार के सभी 38 जिला मुख्यालयों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सभी जिला मुख्यालय में होने वाले सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी सांसद मंत्री और विधायकों को दी गई है। सभी विधायक अपने-अपने जिले में रहकर सदस्यता अभियान चलाएंगे। लोगों को हर घर तक बीजेपी से जोड़ने के लिए जायेंगे।

11 से 17 सितंबर तक पदयात्रा कर चलाएंगे अभियान

बीजेपी अपने मेगा सदस्यता अभियान को लेकर 11 से 17 सितंबर तक पदयात्रा करेगी। इस पदयात्रा में बिहार के सभी केंद्रीय मंत्री, बिहार सरकार के मंत्री राज्यसभा सांसद, लोकसभा सांसद, विधायक, विधान पार्षद, संगठन के तमाम लोगों को एक साथ अपने-अपने क्षेत्र में पदयात्रा कर हर गांव तक जाने और लोगों को बीजेपी से जोड़ने का निर्देश दिया गया है।

बूथ स्तर पर बनी है सदस्यता अभियान सेंटर

बीजेपी ने अपने एक करोड़ के सदस्यों को लक्ष्य पूरा करने के लिए बूथ स्तर पर सेंटर बनाया है। जो लोग चुनाव के दौरान जहां मतदान करने जाते हैं वहीं सदस्यता अभियान का केंद्र खोला गया है ताकि लोग वहां आसानी से पहुंचकर बीजेपी के सदस्य बने। बूथ स्तर पर लोगो को जुटाने के लिए बीजेपी के कार्यकर्ता हर घर तक दस्तक देंगे और उन्हें बीजेपी से जोड़ेंगे।है बूथ पर 200 लोगो को बीजेपी का सदस्य बनाने का कही है जिसके लिए सभी संगठन के कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी गई है।लोगो को सदस्य बनाने के लिए बीजेपी के सभी मोर्चा को प्रमुख भूमिका तय की गई है।

पन्ना प्रमुख की होगी अहम भूमिका

बीजेपी के 1 करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पन्ना प्रमुख को प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। पन्ना प्रमुख हर मतदाता तक पहुंचकर उन्हें घर से निकालकर सदस्यता अभियान के केंद्र तक जाएगी। पन्ना प्रमुख के पास चूंकि सभी गांव के एक-एक घर के सभी मतदाताओं को सूची होती है, इसलिए पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी सबसे अहम हो गई है।

क्या होता है पन्ना प्रमुख

पन्ना प्रमुख बीजेपी की सबसे मजबूत और महत्वपूर्ण सांगठनिक पद है। पन्ना प्रमुख मतदाता सूची के एक पेज का मुखिया होता है। पन्ना का मतलब एक पेज से है। हर क्षेत्र के वोटर लिस्ट के एक पेज के लिए एक मुखिया बनाया जाता है।

एक पेज पर सामान्य रूप से 30 मतदाताओं के नाम होते हैं। एक पन्ना के अंदर में 30 लोगों के नाम होते है। सभी मतदाताओं से संपर्क करने की जिम्मेदारी पन्ना प्रमुख के पास होता है। उनके पास सभी लोगों के नाम, उनका मोबाइल नंबर और परिवार की पूरी डिटेलिंग होती है। चुनाव के समय यह पन्ना प्रमुख फोन के जरिए मतदाताओं से संपर्क करते हैं। उन्हें वोट देने के लिए प्रेरित करते है।

मोदी के पीएम बनने के बाद कब कितने बने सदस्य

प्रधानमंत्री मोदी के पीएम बनने के बाद बीजेपी ने सदस्यता अभियान को लेकर बड़ी मुहिम की शुरुआत की थी। दुनिया का सबसे बड़ा दल बनने का दावा भी किया। इसके लिए 2014 में बीजेपी ने बिहार में सदस्यता अभियान की शुरुआत की थी। इसमें 68.86 लाख लोगों को सदस्य बनाया गया था। वहीं, 2019 में 35 लाख सदस्य बनाए गए थे। इस बार 2024 में बीजेपी ने 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

बीजेपी के सदस्य बनने का क्या है तरीका

बीजेपी का सदस्य बनने के लिए अभियान के लिंक पर जाना होगा। नमो ऐप के माध्यम से भी सदस्यता ले सकते हैं। लोगों को खुद की तस्वीर के साथ ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर के ओटीपी से लॉगिन करना होगा। इसमें आपको अपना डेजिग्नेशन भी बताना पड़ेगा। इसके साथ ही अपने सोशल साइट का लिंक भी अपलोड करना पड़ेगा। इसके बाद डोनेशन के साथ सदस्यता ले सकते हैं।

2 सितंबर से बिहार में शुरू हुआ सदस्यता अभियान

बीजेपी की सदस्यता अभियान की शुरुआत सोमवार से बीजेपी कार्यालय में अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने किया। प्रदेश अध्यक्ष के अलावा संगठन महामंत्री भिखू भाई दलसानिया, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री मंगल पांडेय सहित कई नेता मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि बीजेपी के सदस्य घर-घर जाकर दस्तक देंगे। हर गांव और कस्बे तक इस अभियान को ले जाएंगे। महामंत्री भिखु भाई दलसनिया ने कहा कि देश में 1500 राजनीतिक दल हैं। बीजेपी हर 6 साल पर नए सदस्य बनाती है।

पहले चरण में बड़े नेता और गणमान्य लेंगे सदस्यता

पहले चरण में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित बीजेपी के कई मंत्रियों ने सदस्यता ग्रहण की। इसके साथ ही पद्मश्री डॉ. शांति राय, पद्मश्री डीआर सहजानंद, पद्मश्री श्याम शर्मा, पद्मश्री भागीरथी देवी ने भी बीजेपी की सदस्यता ली। पटना की मेयर सीता साहू सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सदस्यता ग्रहण की।

पहली बार एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे बिहार के 8 जिले, औरंगाबाद से दरभंगा सीधे सफर

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस-वे पटना जिले के धनरुआ और फतुहा से गुजरेगा। जिला प्रशासन ने इन दोनों अंचलों में जमीन अधिग्रहण का काम लगभग पूरा कर लिया है। इस परियोजन के लिए पटना जिले में 12 मौजे में 205.25 एकड़ भूमि अर्जित की गई है। भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजा भुगतान के लिए 123.24 करोड़ रुपये आवंटन है। अब तक भू-धारियों के बीच 66 करोड़ 56 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इस परियोजना के पूरा होने से उत्तर और दक्षिणी बिहार के बीच आवाजाही में आसानी होगी। दूरी करीब 4 घंटे तक कम हो जाएगी।

बिहार के आठ जिले को जोड़ेगा

अभी बिहार में जितने भी एक्सप्रेस-वे के निर्माण को मंजूरी मिली वो सभी दूसरे राज्यों से होकर गुजरते हैं। ये पहली परियोजन है जो बिहार के 8 जिलों को जोड़ेगा। औरंगाबाद के आमस से शुरू होकर यह एक्सप्रेस-वे पटना, नालंदा, अरवल, जहानाबाद, वैशाली और समस्तीपुर होते हुए दरभंगा तक जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे की लंबाई 189 किमी है। औरंगाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से किया जाना है।

रैयतों से राजस्व साक्ष्य की मांग फिर से की गई

इस परियोजना के लिए धनरुआ अंचल में 8 मौजा और फतुहा में 4 मौजा में भू-अर्जन की कार्रवाई की गई है। धनरुआ अंचल में 65 फीसदी मुआवजा का भुगतान किया गया है। मुआवजा भुगतान के लिए 140 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें राजस्व कागजात की कमी है। जिसके कारण मुआवजा भुगतान लंबित है। सभी रैयतों को जमीन से जुड़े दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में रैयतों से जमीन के कागजात की मांग की गई है। जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने धनरुआ के अंचल अधिकारी को निर्देश दिया है कि एक बार फिर से रैयतों से राजस्व साक्ष्य की मांग की जाए ताकि लंबित मामले का निपटारा जल्द से जल्द किया जा सके। बता दें कि आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है।

वायरल बुखार बच्चों और बुजुर्गों को कर रहा बीमार, रोज मिल रहे 50 मरीज

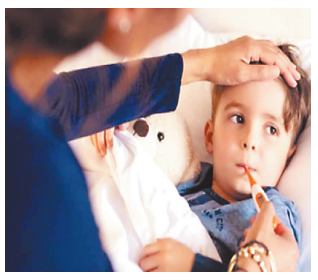

पटना, एजेंसी। मौसम में परिवर्तन होने की वजह से वायरल बुखार से ग्रसित रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ हुआ हैं। स्थानीय अनुमंडल अस्पताल में मंगलवार को करीब तीन सौ रोगियों का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिसमें 45 से 50 रोगी वायरल बुखार से पीड़ित थे। मौसम में परिवर्तन और तापमान में उतार-चढ़ाव से दिन में तेज धूप व उमस के कारण सर्दी, झुकाम, खांसी, बुखार ने लोगों में स्वास्थ्य की परेशानी बढ़ा दी हैं। ऐसे में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक वायरल बुखार के लक्षण मिल रहे हैं। मंगलवार को बक्सर के डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में ऐसे कई पीड़ित चिकित्सक को दिखाने के लिए पहुंचे थे। इस संदर्भ में डॉक्टर शिवकुमार चौधरी ने बताया कि दिन में तेज धूप और गर्मी उत्पन्न हो जाती हैं। तो रात्रि पहर तापमान में गिरावट हो जाती हैं। सर्द और गर्म मौसम का प्रभाव लोगों को पड़ रहा है।

डॉक्टरों ने दी यह सलाह

ऐसी स्थिति में वायरल बुखार से पीड़ित लोगों को सावधानी पूरी तरह से जरूरी हैं। उन्होंने ऐसे रोगियों को सलाह देते हुए बताया कि दिन में तीन बार गुनगुने पानी में हल्का नमक डालकर गलाला करना चाहिए। साथ ही मसालेदार खानपान से परहेज करें। धूप में निकलते वक्त गमछे व छाता का प्रयोग करें। अस्पताल प्रबंधक देवेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि वायरल बुखार के रोगियों की इलाज के लिए सभी व्यवस्था अस्पताल में उपलब्ध हैं। सभी तरह की जांच की भी सुविधा के साथ पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चे, बड़े व बुजुर्गों को सावधानी बरतनी चाहिए। ताकि वायरल बुखार की चपेट में नहीं आना पड़े।

मंगल पाठ में शामिल हुई 400 से अधिक महिलाएं

दरभंगा, एजेंसी। श्री राणी शक्ति सेवा समिति की ओर से आयोजित दो दिवसीय भादी महोत्सव का मंगलवार को समापन हुआ। गांधी चौक स्थित दादी जी के मंदिर पर प्रातः सात बजे से ही दादी जी की विशेष पूजा दादी भक्तों ने की। पूजा राजेश तुल्सयान की देखरेख में करायी गयी। दोपहर 02:30 बजे से मंगल पाठ शुरू हुआ। इसमें 400 से भी अधिक महिलाएं शामिल हुईं। संस्था ने सूरत की प्रसिद्ध मंगल पाठ वाचक सोनी पूर्वे को बुलाया था। उनका साथ देने कोलकाता से सौरभ शर्मा को भी बुलाया गया था। मंच संचालन मुकेश खेतान ने किया। इस कार्यक्रम के बाद महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष संजय कंदोई एवं सचिव संजीव मित्तल के नेतृत्व में काशी खेड़िया, संगीत जाजोदिया, अनिल गोयंका, सुबोध लाडिया, अनिल खेतान, रंजन तुल्सयान, कमल धानुका, संदीप कंदोई, सत्यनारायण भरतिया, शम्भू डोकानिया, विजय अग्रवाल, संगीता मित्तल, नीतू खेड़िया, रश्मि तुल्सयान, चीनू तुल्सयान, सोनी लाडिया, सुमन खेतान आदि लगे थे।

गाड़ियों के मुरीद बिहार वाले, लग्जरी वाहनों की बढ़ी डिमांड

पटना, एजेंसी। बिहार में वाहनों की बिक्री में तेजी आई है। अगस्त माह में पिछले वर्ष के समान महीने की तुलना में 10 हजार वाहन अधिक बिके हैं। यही नहीं बिक्री की गति बीते साल की अपेक्षा काफी अधिक है। लोगों के बीच चार पहिया के साथ-साथ तिपहिया वाहनों में दिलचस्पी बढ़ी है।

हालांकि बिके वाहनों में बढ़ोतरी के मामले में सर्वाधिक हिस्सेदारी दो पहिया वाहनों की है। उनकी वृद्धि लगभग आठ हजार की है। केन्द्र सरकार की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार के लोगों ने इस साल खूब वाहन खरीदे हैं। इसमें लग्जरी वाहन के प्रति आकर्षण अधिक बढ़ा है। बिहार के लोग लग्जरी वाहनों के मुरीद हो रहे हैं। यही नहीं पैसेंसर वाहनों में भी इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ी है। टेम्पो की तुलना में ई-रिक्शा के खरीदार बढ़े हैं। सबसे रोचक बात तो यह है कि इन दोनों की बिक्री का अंतर दो गुना से अधिक है। बीते साल अंतर

लगभग लगभग 100 फीसदी था, इस साल 104 फीसदी। रिपोर्ट बताती है कि पिछले अगस्त में 88192 वाहन बिके हैं, जबकि पिछले साल इसी महीने में महज 78466 वाहन ही बिके थे। इन वाहनों में भी कार और मोटरसाइकिल-स्कूटर के अलावा ट्रैक्टर, मोपेड, टेम्पो, ई-रिक्शा की बिक्री भी बढ़ी है। सबसे अहम तो यह है कि कृषि उपकरणों वाले वाहनों की खरीद के प्रति भी लोगों का रुझान बढ़ा है। पिछले साल केवल दो हार्वेस्टर बिका था जबकि इस साल अगस्त में सात बिके हैं।

बीते आठ माह का लेखा-जोखा

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बिहार में स्थिति पहले से बेहतर हुई है। सड़कें अच्छी हुई हैं। टैक्स को व्यावहारिक बनाया गया है। लगन में पड़ोसी राज्यों से वाहन खरीद में कमी आई है। लोगों की आर्थिक स्थिति भी लगातार बेहतर हो रही है। इस साल आठ माह में सात माह ऐसे हैं जब वाहनों की बिक्री बीते सात से अधिक हुई है। केवल मई माह में ही वाहनों की बिक्री 2023 में अधिक हुई थी। शेष सात माह माह में इस साल काफी अधिक वाहन बिके हैं। यह वृद्धि वाहनों के हर सेगमेंट में देखने को मिला है।

चुनावी प्रीलिम्स देंगे प्रशांत किशोर, जन सुराज लड़ेगी 4 विधानसभा सीटों का उपचुनाव

पटना, एजेंसी। कुछ वक्त पहले तक चुनावी रणनीतिकार की भूमिका में रहे प्रशांत किशोर की राजनीति में एंट्री ने बिहार में हलचल पैदा कर दी है। ऐसी उम्मीद है कि राज्य की चार विधानसभा सीटों पर जल्द ही उपचुनाव हो सकते हैं। हालांकि, अभी चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन सभी राजनीतिक दल इन सीटों पर चुनाव को लेकर अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं।

इस बीच अब जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी इन चारों सीटों के लिए अपने प्रत्याशी उतारने का फैसला कर लिया है। पीके के नाम से मशहूर प्रशांत किशोर पिछले दो सालों से पदयात्रा पर है। 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर आधिकारिक रूप से अपनी पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। सोमवार को आरा में पीके ने कहा, अगर हम सभी चार सीटें जीतते हैं तो 2025 में आने वाले चुनाव परिणाम साल 2024 में खुद-ब-खुद तय हो जाएंगे। इसकी के साथ प्रशांत किशोर ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और जेजीयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार की आलोचना भी की। पीके ने कहा कि लालू के शासन काल में संगठित अपराध का जंगल राज था और नीतीश के शासन में ब्यूरोक्रेट्स का जंगल राज है। बता दें कि राजद प्रशांत किशोर को बीजेपी की बी टीम कहती आई है। राजद नेता 10 सितंबर से बिहार में आभार यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं।

राजद की तरफ से सवाल उठाते हुए कहा गया कि आखिर लोग पीके पर भरोसा क्यों करेंगे? उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। हाल ही में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने पार्टी नेता तेजस्वी यादव को लेकर दिए गए बयान के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर निशाना साधा था और मॉब लिंचिंग तथा बुलडोजर जैसे मुद्दों को लेकर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया था। दरअसल प्रशांत किशोर ने भोजपुर में कहा था, एक नौवीं फेल बिहार का विकास कर रहा है। इसपर राजद नेता ने कहा, प्रशांत किशोर कहते हैं कि तेजस्वी जी का कोई महत्व नहीं है, लेकिन जब वह दो घंटे तक बोलते हैं तो उसमें से एक घंटा 54 मिनट तेजस्वी जी के बारे में बोलते हैं। इधर बीजेपी ने सदस्यता अभियान चला रखी है। जेडीयू के नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि पीके के लिए एक बड़ी चुनौती यह है कि वो बिहार में खुद को एक राजनीतिक चेहरा साबित करें। प्रशांत किशोर ने हाल ही में 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मुसलमानों को टिकट दिए जाने को लेकर कहा था कि वो 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कम से कम मुस्लिम समुदाय के 40 लोगों को टिकट देंगे और इस समुदाय को संगठन में भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

रूपा शर्मा को मिली अग्रिम जमानत, निचली अदालत में करेंगी सरेंडर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर संस्कृति वर्मा को सुपारी शूटर से गोली मरवाने की मुख्य साजिशकर्ता पूर्व मंत्री की बहू रूपा शर्मा को मंगलवार को अग्रिम जमानत मिल गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में उसकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली गई है। घटना के बाद से रूपा शर्मा अंडरग्राउंड चल रही थी। हालांकि, उसकी अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई थी। रूपा शर्मा की अग्रिम जमानत अर्जी पर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर प्रसाद सिन्हा, रामकृष्ण ठाकुर और पूर्व महासचिव प्रवीण कुमार ने न्यायालय में पक्ष रखा। इसके बाद जिला जज ने अग्रिम जमानत मंजूर करते हुए 10 हजार के दो जमानतदार के साथ निचली जमानत में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। इसके आधार पर निचली अदालत से स्थाई जमानत दी जाएगी। काजी मोहम्मदपुर थाना के कलमबाग चौक रिफ्यूजी कॉलोली निवासी रूपा शर्मा के वकील हिमांशु कुमार पांडेय ने बीते 28 जुलाई को कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की थी। महिला कंप्यूटर ऑपरेटर संस्कृति वर्मा को बीते 25 जून को बेला फेज वन इलाके में स्थित फैक्ट्री में ड्यूटी पर जाने दौरान फायरिंग की गई थी। संस्कृति को तीन गोलियां लगी थी।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

डीएम सौरभ जोरवाल ने बच्चों को एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत

- निजि स्कुल के बच्चों को डीएम, डीआईओ व स्वास्थ्य, विभाग के अधिकारियों ने खिलाई दवा
- छूटे हुए बच्चों के लिए 11 सितंबर को चलेगा मॉप-अप दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बुधवार को शहर के एक निजि स्कूली बच्चों को एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को कृमि प्रभावित करता है जिसके कारण बच्चों का शारीरिक, मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है जिससे बचाव के लिए रास्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर बच्चों को दवा खिलाई जा रही है। उन्होंने बताया की छूटे हुए बच्चों के लिए पुनः 11 सितंबर को सभी सरकारी/प्राइवेट स्कूलों आँगनबाड़ी केंद्रों में मॉप-अप दिवस पर कृमि से बचाव की दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया की बच्चों में दवा खाने से हल्का- फुल्का साइड इफेक्ट हो सकता है इससे घबराएं नहीं जिला एवं प्रखंड स्तर पर रैपिड रिस्पॉन्स टीम की व्यवस्था की गई है। हल्का साइड इफेक्ट का मतलब है की आपके शरीर का कीड़ा समाप्त हो रहा है। जिलाधिकारी ने सभी अभिभावकों से सभी बच्चों को कृमि की दवा खिलवाने की अपील की। वहीं

डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने कहा की सबसे पहले इस बात का ध्यान रखना है की बच्चा पूर्णतः स्वस्थ हो एवं खाली पेट न हो। कार्यक्रम का शुभारम्भ डीएम सौरभ जोरवाल एवं डीसीसी समीर सौरभ ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। वहीं आशा समन्वयक नन्दन झा ने कहा कि जिले के 01 से 19 वर्ष तक के बच्चों को अलग-अलग डोज के अनुसार 31 लाख 75 हजार 456 बच्चों को एल्बेण्डाजोल दवा स्वास्थ्य कर्मियों के देख-रेख में खिलाई जाएगी। मौके पर डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया की उल्टी, दस्त और कमजोरी जैसे कुछ साइड इफेक्ट्स का अनुभव हो सकता है। इन्हें आसानी से संभाला जा सकता है। प्रतिकूल घटना होने पर बच्चों को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम करवाएं और पीने का साफ पानी दें, ओआरएस का घोल दें। ध्यान रखें अगर बच्चे के लगातार असहज महसूस करने पर माता-पिता या अभिवावक द्वारा किसी भी चिकित्सकीय सहायता के लिए एएनएम या आशा से सम्पर्क करें एवं सदर अस्पताल लेकर आए। मौके पर डीडीसी समीर सौरभ, बीडीओ रोहन सिंह, डीआईओ डॉ. एससी शर्मा, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नन्दन झा, डैम, डीपीसी, एमओआईसी, यूनिसेफ़, पीरामल, सिफार एनडीडी कोर्डिनेटर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छौड़ादानो प्रखंड के खैरवा पैक्स प्रबंधक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिला प्रशासन द्वारा वैसे पैक्सो पर कार्रवाई तेज कर दी गई है, जिनके द्वारा धान अधिप्राप्ति खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में अनियमितता की गई है। इसी क्रम में जिला के छौड़ादानो प्रखंड स्थित खैरवा पैक्स प्रबंधक राजकुमार सिंह को पुलिस द्वारा बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी गोपाल द्वारा खैरवा पैक्स की पूर्ण प्रबंधकारिणी पर विगत 30/8/24 को जिला सहकारिता पदाधिकारी के आदेश के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज कराए गए केस नं. 209/24 दिनांक-30.08.2024 के आलोक खैरवा पैक्स अध्यक्ष को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। खैरवा पैक्स के प्रबंधक राजकुमार सिंह एवं अध्यक्ष नौशाद आलम ने मिलकर 299.5 एमटी धान गबन कर लिया, जिसकी कीमत 65.38 लाख होती है।

ट्रक से तेल चोरी के विरोध पर गोली मारकर हत्या मामले में एक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में मेहसी के बथना एनएच किनारे लाइन होटल के स्टाफ को ट्रक से तेल चोरी करने वाले गिरोह द्वारा गोली मारकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में मुजफ्फरपुर साहेबगंज से एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। वही उसके निशानदेही पर मारुति स्विफ्ट डिजायर व मारुति स्विफ्ट कार , बुलेट बाइक, फायर गोली का खोखा, लोहा का औजार, नम्बर प्लेट, मोबाइल फोन आदि बरामद किया गया है। उल्लेखनीय है, कि बीते 2 सितम्बर की अहले सुबह बाबा लाइन होटल मेहसी बथना के पास ट्रक से तेल चोरी कर रहे चोरो को देख होटल स्टाफ दीपक ने शोर मचाया। इसी बात पर अपराधियो ने उसके सर में गोली मार दी। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना में शामिल कई अन्य बदमाश की खोज में छापेमारी जारी है। पुलिस टीम में चकिया डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह, थानाध्यक्ष मेहसी रणधीर कुमार, एसआई सुबोध कुमार, राहुल कुमार सहित सशत्र बल शामिल थे।

ट्रेन से कटकर एक अज्ञात की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। रक्सौल-सीतामढ़ी रेल खंड पर रक्सौल शहर से सटे सहदेवा गांव के पास ट्रेन से कटे एक अज्ञात व्यक्ति का शव बुधवार की सुबह बरामद किया गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची आरपीएफ रेलथाना व रक्सौल थाना पुलिस ने जांचोपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि शव की अब तक पहचान नही हो पायी है। हालांकि मृतक ने जो शर्ट पहना है उसमें टेलर का नाम व पता अंकित है जिसमे न्यू विजय फैंसी टेलर ढाका लिखा हुआ है। जिसके आधार मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

आठ एटीएम कार्ड के साथ तीन एटीएम फ्रॉड गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

एटीएम कार्ड बदल कर पैसा उड़ाने वाले तीन बदमाश को पुलिस ने 8 एटीएम कार्ड के साथ गिरफ्तार किया है। वही चोरी कांड के एक अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों एटीएम फ्रॉड को कोटवा एनएच 27 ओवर ब्रिज के नीचे से गिरफ्तार किया। ब्रिज के नीचे स्थित एसबीआई के एटीएम के पास तीनो संदिग्ध स्थिति में घूम रहे थे जिसे पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार अपराधी संग्रामपुर थाने के श्यामपुर बरवा गांव का मिथलेश कुमार, रणजीत राम ,अजय राम बताया गया ह।इस बाबत सदर 2 डीएसपी जितेश पांडेय ने बुधवार को बताया है,कि गिरफ्तार बदमाशो के पास से चोरी व हेराफेरी किया गया कुल 8 एटीएम कॉर्ड बरामद किया गया है , जो सभी अलग - अलग बैंको के है। इसके अलावे तीन स्मार्ट फोन , एक बटन वाला मोबाइल फोन,26840 रुपये कैश , एक हीरो एचएफ डीलक्स बाइक व एक काला मास्क जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा पूछताछ के बाद तीनों ने बताया है कि वे लोग जिले के अलग - अलग क्षेत्रो में बैंक व एटीएम में जाकर महिला सहित भोलेभाले लोगो को फुसला कर उनका एटीएम कार्ड बदल लेते हैं फिर दूसरे एटीएम से राशि की निकासी कर लेते हैं। इसके अलावे कोटवा थाना कांड स0 183 / 24 के अभियुक्त , गढ़वा खजुरिया एनएच 27 के समीप एस्बेस्टस दुकान में चोरी के फरार चल रहे आरोपी जसौली पँचायत के खजुरिया निवासी इमाम हुसैन का पुत्र सद्दाम हुसैन को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी चारो बदमाशो को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस टीम में डीएसपी के अलावे थानाध्यक्ष कोटवा राजरूप राय, पीएसआई अनीस कुमार सिंह, सूर्यकांत प्रसाद , एएसआई हरेंद्र कुमार सहित कोटवा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

चोरी का स्कार्पियो एवं बाइक के साथ पांच गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कुआरी माई से अवधेश चौक के रोड में एक बाइक पर सवार दो सन्दिग्ध को गिरफ्तार किया। जिसके पास से 180 एमएल की एक शराब का पैकेट बरामद किया गया। उक्त दोनों से पूछताछ के आधार पर मुफसिल थाना क्षेत्र में रेड कर चोरी की एक स्कार्पियो के साथ अन्य अपराधियो को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए शातिर मुफसिल थाना क्षेत्र का पप्पू कुमार एवं मुन्ना कुमार है , जो शराब का होम डिलीवरी करता है। वही अन्य तीन गिरफ्तार , बंजरिया का इश्तेहाक आलम, मो नौशाद व अंजुम शामिल हैं। इस सम्बंध में एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पुलिस ने उक्त बदमाशो से पूछताछ के बाद कई अहम जानकारी हासिल की है जिसपर काम किया जा रहा है। बताया गया है कि गिरफ्तार अपराधी शराब की तस्करी के साथ चोरी की गाड़ियो की खरीद - विक्री के धंधे में भी इनलोगो का नाम आया है। इसके साथ ही इनका क्राइम हिस्ट्री भी खंगाला जा रहा है। छापेमारी में नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार, एसआई अखिलेश प्रसाद सिंह , पीएसआई प्रवीण कुमार पांडेय सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

हत्याकांड के फरार 8 आरोपियो के घर चिपकाया गया इश्तेहार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चकिया थाना क्षेत्र के कोयलाबेलवा पंचायत स्थित बखरी गांव के एक युवक के हत्या में शामिल आठ फरार अभियुक्तों के घर पर पुलिस ने बुधवार को न्यायालय का इस्तेहार चिपकाया। इस अवसर पर पुलिस ने डुंगडूगी बजवा कर लोगों को जानकारी दी कि दो दिन में सभी अभियुक्त न्यायालय में हाजिर नहीं होते है तो उनके घर कुर्की जब्ती की कारवाई की जाएगी।हत्या में शामिल जिन अभियुक्तों के घर पर न्यायालय का इस्तेहार चिपकाया गया है, उनमे बांसघाट कोंहिया गांव के अब्दुल्लाह अंसारी, जैनुल्लाह अंसारी, वसीम अकरम, साहिल मंसूरी, अरमान मंसूरी, सरफराज अंसारी, बिकाऊ मियां उर्फ़ अकबर मियां व सज्जाद आलम शामिल है। उल्लेखनीय है,कि बीते मुहर्रम के दिन बांसघाट बाजार से मुहर्रम का मेला देख लौट रहे कोयलाबेलवा के बखरी गांव निवासी अरबाज आलम व उसके चचेरे भाई आजाद अली को उक्त अभियुक्तों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसमे ईलाज के दौरान अरबाज आलम की मौत हो गयी। इस सम्बन्ध में इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों की गिरफ़्तारी को लेकर लगातार छापामारी की जा रही थी। लेकिन सभी अभियुक्त फरार है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को न्यायालय में समर्पण के लिए इस्तेहार उनके घर चिपकाया है व डुंगडूगी बजवा कर कहा गया है कि दो दिन में न्यायालय में हाजिर हो नहीं तो कुर्की जप्ती कि करवाई की जाएगी। मौके पर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार के अलावे पीएसआई मो अफजल, सानू गौरव, मौसम कुमार सहित पुलिस बल उपस्थित थे।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

खेलेगा बिहार खिलेगा बिहार नारा के साथ बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं पूर्वी चम्पारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय खेल कूद प्रतियोगिता 2024-25 के दूसरे दिन पूर्व निर्धारित समय से आयोजन का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। बुधवार के प्रतियोगिता में टाईक्वांडो में अंडर 14 में 29 से 32किलो में विजेता रोहित कुमार 38-40 किलो में शाहिद इकबाल 21-23 किलो में आयुष कुमार 23-25 किलो में प्रशांत कुमार 27-29 में प्रिंस कुमार 41किलो से अधिक में हर्ष कुमार विजयेता रहे अंडर 19 में रिजवानुल रहमान और अंडर 68किलो में फरीद खान विजेता रहे। अंडर 17 में 38-42 किलो में जियाना पटेल 44-46 किलो में भूमि कुमारी 46-49 में दीक्षा कुमारी 55-59 किलो में पूजा कुमारी विजेता हुए। 100मीटर प्रथम छोटू कुमार द्वितीय जीतू कुमार 200 मीटर में छोटू कुमार प्रथम सत्यम कुमार द्वितीय, 400 मीटर में प्रथम रौशन कुमार द्वितीय प्रिंस कुमार 600 मीटर रौशन कुमार प्रथम, हिमांशु कुमार द्वितीय ऊंची कूद प्रथम छोटू कुमार द्वितीय स्थान पर हिमांशु कुमार शॉट पुट प्रथम गौरव कुमार सिंह द्वितीय सत्यम कुमार 100 मीटर दौड़ बालिका में प्रथम अंतिमा कुमारी द्वितीय पूनम कुमारी 200 मीटर प्रथम नामिका कुमारी द्वितीय कृति सिंह 400 मीटर में प्रथम कृति सिंह द्वितीय पीहू कुमारी। लम्बी कूद में प्रथम अनन्या कुमारी द्वितीय दीपिका कुमारी शॉट पुट में प्रथम सलोनी कुमारी द्वितीय संजना कुमारी रही।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बंगहा-1अंचल के पूर्व अंचलाधिकारी ने साजिश करके सरकारी सम्पति का दाखिल खारिज कर पहुंचाया नुकसान

बीएनएम। बगहा

लोक शिकायत निवारण कार्यालय बगहा में परिवादों की सुनवाई तथा परिवादियों द्वारा लगाये गये आरोपों और साक्ष्यों से यह स्पष्ट हुआ कि तात्कालिक अंचल अधिकारी, बगहा-1 के अभिषेक आनन्द ने गैरमजरूआ मालिक जमीन मौजा-मंझरिया खाता संख्या-10 का खाता संख्या बदलकर-536 करते हुए उसका नामांतरण कई लोगों पर कर दिया । इसके लिए आनन्द ने पहले खाली पड़े जमाबंदियों में फर्जी तरीके से उसका आनन-फानन में गैरमजरूआ जमीन संबंधित खेसरा नम्बर दर्ज कराया तथा फर्जी रसीद संख्या का जिक्र किया और उसके आधार पर उक्त सरकारी जमीन का नामांतरण कर सरकारी सम्पति का नुकसान पहुंचाया । उक्त तथ्य सामने आने के बाद उनके द्वारा यह स्वीकार किया गया की ये नामांतरण गलत हुआ है, लेकिन फिर भी उनके द्वारा न तो उक्त के विरूद्ध विधिवत दाखिल खारिज अपील ही दायर किया गया और न ही उसे सरकारी संरक्षण में लेने का प्रयास ही किया गया। साथ ही उनके द्वारा गैरमजरूआ आम और मालिक जमीनों के अतिक्रमणकारियों से मिलकर उनके विरूद्ध अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई नही की गई। जिससे उनकी संलिप्तता प्रदर्शित होता है। उल्लेखनीय है कि आनन्द का कार्यकाल पहले भी काफी विवादित रहा है। आनन्द के उक्त गंभीर अनिमियतता के लिए उनके विरूद्ध कार्रवाई करने हेतु नियमानुसार जिला पदाधिकारी को अनुसंशित तथा अपर उच्च सचिव, भूमि सुधार राजस्व विभाग को सूचित किया गया है।

निदेशक के निरीक्षण में अधिकांश बच्चे बिना ड्रेस के मिले

- व्यवस्था सुधार को लेकर दिया निदेश

बीएनएम। केसरिया

शिक्षा विभाग के राज्य परियोजना निदेशक बी कार्तिकेय धनजी बुधवार को केसरिया प्रखण्ड क्षेत्र के करीब आधा दर्जन विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान वे उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय बथना उर्दू पहुँचे। जहाँ एमडीएम, विद्यालय भवन की स्थिति, शौचालय की साफ-सफाई, छात्र शिक्षक उपस्थिति आदि को देखा। जिसके बाद प्रभारी एचएम को इसमें सुधार लाने को निदेशित किया। निदेशक इस विद्यालय में वर्ग नौ के बच्चों के बीच करीब 20 मिनट तक शिक्षक की भूमिका में दिखे। बच्चों से सामाजिक विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों से सवाल किया। जिसका बच्चों ने संतोषजनक उत्तर दिया। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय पदुमन छपरा रामकमल ठाकुर के टोला पहुँचे। यहाँ शिक्षकों द्वारा लेशन प्लान तैयार नहीं किया गया था। जिस पर संबंधित शिक्षकों को जमकर फटकार लगायी। वहीं राजकीय प्राथमिक विद्यालय पदुमन छपरा के निरीक्षण के क्रम में अधिकांश बच्चे बिना ड्रेस के मिले। साथ हीं पाया गया कि इस विद्यालय में साप्ताहिक व मासिक जाँच परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। यहाँ भी लेशन प्लान नहीं बनाया गया था। साथ हीं एक हीं कमरे में दो, तीन व पाँच वर्ग के बच्चों को बैठाया गया था। जिस पर निदेशक ने प्रभारी एचएम औरंगजेब खान की जमकर क्लास की। इसके बाद कस्तूरबा बालिका विद्यालय केसरिया व जीपीएस जगीराहाँ का निरीक्षण किया। निदेशक ने करीब सभी विद्यालयों में लेशन प्लान को उपडेट नहीं पाया। कई विद्यालयों में साफ सफाई आदि पर असंतोष जताया। डीईओ संजीव कुमार व केसरिया बीईओ विनय कुमार तिवारी को निदेशित करते हुए कहा कि विद्यालय की व्यवस्था में सुधार लाने हेतु समय समय पर निरीक्षण करते रहे। निरीक्षण के समय डीपीओ (एसएसए) हेमचंद्र, डीपीओ (एमडीएम) प्रह्लाद गुप्ता, कार्यपालक अभियंता मुकुंद प्रसाद, बीपीएम अनिल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

आग लगने से दो घर जल कर राख

बीएनएम। रामगढ़वा

प्रखंड अंतर्गत मंगलपुर गांव में मंगलवार की अर्धरात्रि को दो घरों में अचानक भीषण आग लगने से दो घर जल कर राख हो गई। इस घटना में प्रभु सिंह व सुबोध कुमार के घर में रखें सभी सामान जलकर राख हो गए हैं। स्थानीय मुखिया अशोक कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना रात्रि के लगभग एक बजे की है।उस वक्त घर में सब लोग सोए हुए थे। घर में अचानक आग की लपटों को देख वे लोग घर से भाग कर बाहर निकल गए और शोर किया। शोर पर ग्रामीण एकत्र होकर आग पर काबू पाया तब तक दोनों आदमी के घर जलकर राख हो गए थे। मुखिया ने बताया कि आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली के शॉर्ट सर्किट से यह आग लगी है। आग लगने की घटना में प्रभु सिंह एवं सुबोध कुमार के आवासीय घर जले हैं, उनके घर में रखे गए दैनिक उपयोग की वस्तुएं अनाज कपड़ा पंखा गैस सिलेंडर इत्यादि सभी जल गए हैं। मुखिया ने बताया कि एक लाख से ज्यादा की क्षति हुई है। इस संबंध में अंचलाधिकारी राजा कुमार ने पूछने पर बताया कि मंगलपुर में दो घरों में आग लगने की घटना घटित हुई है। हल्का कर्मचारी को भेज कर घटना का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।पीड़ित परिवारों को सरकार से मिलने वाली सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ऑनर्स पेपर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम। मोतिहारी। बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार नगर क मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातक तृतीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा अबाध गति से सफलता पूर्वक शोर मुक्त व कदाचार मुक्त वातावरण में संचालित की जा रही है। बुधवार को प्रतिष्ठा(ऑनर्स) विषय के आठवें प्रश्नपत्र की परीक्षा थी, जिसमें प्रथम पाली में इतिहास, संस्कृत और भोजपुरी के कुल 300 और दूसरी पाली में गणित, प्राचीन इतिहास, अकाउंट्स, दर्शनशास्त्र और राजनीति विज्ञान के कुल 1267 परीक्षार्थियों की उपस्थिति रही। परीक्षा की सफलता पूर्वक संचालन में हिन्दी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गौरव भारती सहित अन्य की सराहनीय भूमिका रही है। यह सूचना प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्राचार्य प्रो. मृगेन्द्र कुमार ने दी है।

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में सास्कृतिक कार्यक्रम आज

बीएनएम। हरसिद्धि। शिक्षक दिवस के अवसर पर रामलाल सोनाना लाल माध्यमिक प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में सास्कृतिक कर्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रधानाध्यपक आलोक कुमार ने बताया कि विद्यालय के छत्राओ के द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति की जायेगी। विद्यालय के संगीत शिक्षक के देखरेख में कार्यक्रम की आयोजन होगा। विद्यालय में प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस पर संस्कृतिक कर्यक्रम होता आ रहा है। संगीत शिक्षक के आने के बाद विद्यालय के छात्रों को नाटक व संगीत भी सिखाया जाता है, उन्ही के बदौलत छात्राए बेहतर कार्यक्रम की प्रस्तुति करती है। कार्यक्रम की सुचना प्रखंड विकास पदाधिकारी, थानाध्यक्ष, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हरसिद्धि को दे दिया गया है।

पक्षकारों के बीच दो दिन के अंदर भेजे नोटिस, 14 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बीएनएम। शिवहर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार शिवहर के अध्यक्ष उदयवन्त कुमार के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार शिवहर के सचिव ललन कुमार रजक की अध्यक्षता में 14 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर एएसपी प्रेमचंद सिंह व जिला के सभी थाना अध्यक्ष के साथ बैठक किया गया है. बैठक में सचिव ने कहा गया कि नोटिस तामिला सही ढंग से नही हो रहा है. उन्होंने कहा कि जिस अनुपात में न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किया जा रहा है उस अनुपात में नोटिस तामिला रिपोर्ट नही मिल रहा है. इस बात को गम्भीरता से लिया जाए. क्योंकि अधिक से अधिक मामलो को निष्पादन के लिए सभी पक्षकारों तक नोटिस पहुँचना अतिआवश्यक है. 14 सितंबर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत में निर्गत 6732 बेक नोटिस में 683 नोटिस निष्पादित किया गया है. जबकि 6049 बेक नोटिस अभी तक लंबित है. 1049 निर्गत कोर्ट नोटिस में 153 नोटिस निष्पादित हो गया है. तथा 896 कोर्ट नोटिस अभी तक लंबित है. जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ललन कुमार रजक के द्वारा एएसपी, सभी थाना अध्यक्ष व अभियोजन को निर्देश दिया गया है कि दो दिनों के अंदर सभी निर्गत नोटिस का तामिला कराकर रिपोर्ट कोर्ट को सौपें। मौके पर एएसपी प्रेमचंद सिंह, अभियोजन प्रभारी राजेश कुमार, फतेहपुर थानाध्यक्ष जसीम अंसारी, एलटीएफ प्रभारी विश्वेश्वर सिंह, हिरमा थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता, पिपराही थाना अध्यक्ष संजय स्वरूप एवं अन्य मौजूद थे।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मटियरिया पंचायत के एक गांव में एक महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पीड़ित महिला के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। महिला ने दिए गए आवेदन में बताया है कि वह शाम में अपना खेत देखने जा रही थी। इसी दौरान एराजी नन्हकार के यादोलाल पासवान का पुत्र सनोज कुमार उसे अकेला देखकर खेत में पटक दिया। उसने दुष्कर्म का प्रयास किया। हो-हल्ला करने पर वह उसके गले से सोने का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गया। वहीं थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

कलवार समाज ने भगवान बलभद्र की धूमधाम से की पूजा

बीएनएम। रामगढ़वा

भगवान बलभद्र कलवार जाति के कुल देवता हैं। इसी माह में भगवान बलभद्र का जन्म हुआ था। इसको लेकर रामगढवा कलवार कल्याण समिति हर वर्ष इस पूजा का आयोजन करता है। उक्त बातें पूर्व मुखिया बाल किशोर प्रसाद व प्रमुख पति विशाल गुप्ता ने संयुक्त रुप से कहा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामगढवा बाजार स्थित प्रकाश मैरेज हाल के परिसर में बुधवार को कलवार कल्याण समिति के बैनर तले बलभद्र पूजनोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। जिले में इस सत्र का सबसे प्रथम आयोजन रामगढवा बाजार में ही किया गया। हिंदू धर्म शास्त्र के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बलभद्र पूजा का आयोजन संपन्न हुआ। पूजा पर पुजारी के रुप में पैक्स अध्यक्ष रंजीत गुप्ता थे। इस आयोजन में सभी श्रध्दालु भक्तों एवं अतिथियों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी। समिति सदस्य के तत्वाधान में कलवार समाज के पूर्व भगवान श्री बलभद्र का भव्य पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। समिति सदस्य के रुप में पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, शंभू प्रसाद गुप्ता, अरुण गुप्ता, केजी गुप्ता, अनिल गुप्ता गोलदार, सुगौली विधानसभा भावी प्रत्याशी राजू भगत, ललन गुप्ता, वृजबिहारी गुप्ता, वार्ड सदस्य आनंद कुमार, प्रदीप गुप्ता, गुड्डु गुप्ता,राजन गुप्ता, जटाशंकर गुप्ता, कैलाश बिहारी, अशोक प्रसाद, प्रकाश गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद, सुजीत कुमार, राजेश प्रसाद, ब्रजेश गुप्ता मौके पर उपस्थित थे।

जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का डीएम ने किया शुभारम्भ

बीएनएम। शिवहर

जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ कुशहर हाई स्कूल में जिला पदाधिकारी पंकज कुमार(भाप्रसे) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा, कुशहर उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता हेतु प्रतिनियुक्त सभी शारीरिक शिक्षक/ शिक्षिका उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी स्कूल के प्रतिभागियों द्वारा मार्च पास्ट करने के उपरांत गुब्बारा उड़कर खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज कराया गया। जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में 400 मीटर बालिका वर्ग दौड़ तथा कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न हुआ जिसमें जिला पदाधिकारी ने सरकारी स्कूल के बालक/बालिकाओं का खेल प्रतिभा देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा क्रीडा स्थल पर ही जिला पदाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा को आपस में समन्वय स्थापित कर हर वर्ष खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन करने का निदेश दिया गया। विदित हो कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशनुसार शिवहर जिला में दिनांक 04.09.2024 से 06.09.2024 तक राज्य स्तरीय खेल-कूद का आयोजन कुशहर हाई स्कूल, नयागांव हाई स्कूल, गांधी भवन तथा खेल भवन में आयोजित किया जा रहा है जहां विभिन्न खेल विधाएँ यथा एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट इत्यादि का आयोजन कराया जा रहा है जिसमें अंडर 14/17/19 वर्ग के तकरीबन 1300 बालक/ बालिकाओं ने पंजीकरण कराया है।आज एथलेटिक्स, क्रिकेट तथा कबड्डी का प्रतियोगिता संपन्न हुआ जिसमे क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा द्वारा गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल पहनाकर हौसला अफ़जाई किया। प्रतिभागियों में मेडल पाकर काफी खुशी देखने को मिला। खेल प्रतियोगिता समापन में उपाधीक्षक,शारीरिक शिक्षा द्वारा सभी प्रतिनियुक्त शारीरिक शिक्षक/ शिक्षिकाओं को खेल का सफलतापूर्वक आयोजन कराने पर धन्यवाद दिया गया।

छात्र छात्राओं को खिलाया गया कृमि का दवा

कृमि मुक्ति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का बीडीओ ने किया उदघाटन

बीएनएम। तुरकौलिया

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर स्थानीय राजा राम हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ प्रियंका कुमारी ने किया। जहां बच्चों को कृमि का दवा खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सीएचसी प्रभारी डा. अर्जुन कुमार गुप्ता द्वारा बताया कि कृमि (कीड़े की दवा) को कैसे खाना है। बच्चे और बड़े को किस तरह दवा देना है। इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। सीएचसी कर्मियों द्वारा बताया गया कि एक से 5 वर्ष तक के बच्चों को दवा को पीसकर देना है। मतलब अलबेंडाजोल टेबलेट को कूटकर पाउडर बनाकर देना है। क्योंकि बच्चे को टेबलेट खाने में परेशानी होगी। वही पांच वर्ष के ऊपर के बच्चे और व्यस्क को टेबलेट खिलाना है। कृमि दवा खाने से शरीर में कीड़ा नही होगा। जिससे शरीर स्वस्थ रहता है। बुखार, पेट खराब या किसी गंभीर बिमारी में दवा नही दिया जाएगा। बीमारी ठीक होने पर ही देना है। वही बीएचएम नौशादुल आजम ने बताया कि जो बच्चे विद्यालय से गैर हाजिर थे या बिमार थे। उन्हें फिर आगामी 11 सितंबर को कीड़े का दवा खिलाया जाएगा। मौके पर एचएम इरशाद अहमद, बीएचएम नौशादुल आजम, बीसीएम विमलेंदु शेखर, भीबीडीएस, बीएमसीएल, एलएस आदि मौजूद थे।

510 बोतल विदेशी शराब के साथ एक महिला गिरफ्तार

झोपड़ीनुमा घर में छुपा कर रखी गई थी 43 कार्टून शराब

बीएनएम। शिवहर

मध निषेध उत्पाद अधीक्षक रणधीर कुमार सिंह के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम द्वारा जिले के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत रसीदपुर वार्ड नंबर 12 में छापेमारी की गई। इस दौरान 750 एमएल का 510 बोतल 382 लीटर विदेशी शराब के साथ रसीदपुर निवासी देवनारायण यादव के पत्नी मंजू देवी को गिरफ्तार किया गया। मध निषेध अधीक्षक रणधीर कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि मध निषेध उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली कि रसीदपुर निवासी में देवनारायण यादव के झोपड़ीनूमा घर में भारी मात्रा में विदेशी शराब का भंडारण किया गया है। जहां से वह मनमानी ढंग से बेचने का काम करता है। इस दौरान मध निषेध इंस्पेक्टर हरिलाल राम एवं सहायक अवर निरीक्षक ओम प्रकाश यादव के नेतृत्व में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 510 बोतल विदेशी शराब के साथ महिला मंजू देवी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। वही छापेमारी अभियान में मध निषेध इंस्पेक्टर हरिलाल राम सहायक अवर निरीक्षक ओम प्रकाश यादव, कमल किशोर कुमार, संजीत कुमार, मध निषेध सिपाही गणेश कुमार अमित कुमार एवं गृह रक्षक बल मौजूद थे।

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है।

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

ललित गर्ग

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में 'एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है। वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है। शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है। नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- ''भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।'' महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना। शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है। नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात् विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

जब तक तुम स्वयं पर विश्वाश नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते

- विवेकानंद

यदि हम समाधान का हिस्सा नहीं हैं तो इसका मतलब यही है की हम खुद समस्या हैं

- कहावत

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि दोइज, गुरुवासरे, हस्त नक्षत्रे, शुभ योगे, कौलव करणे, कन्या की चंद्रमा, रवि मास 3 मु. हरितालिका तीज व्रत, व्यापार मुर्हूत, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, कम्प्यूटर, इंजीनियर कम्प्यूटर ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, लिपिक कैशियर, लेखा पाल, प्रबंधक होगा तथा किराना कपड़ा व्यापारी, हार्डवेयर, रंग पेंटर की दुकान वाला धनी हेगा।

मेष राशि :- मानसिक खिन्नता, कार्य विफलता, असमंजस किन्तु बड़े लोगों से मेल मिलाप मिलन होगा।

वृष राशि - व्यावसायिक गति अनुकूल, कार्य संपन्नता से संतोष चिन्ता कम होगी, विशेष ध्यान रखे।

मिथुन राशि - कार्यकुशलता से संतोष हो, अर्थ व्यवस्था अनुकूल होगी, बिगड़े कार्य बन जाएगे।

कर्क राशि - अधिकारी से विशेष लाभ सुख एवं सफलता मिलेगी, रुके कार्य बना लेगे।

सिंह राशि - अनायास परिश्रम होगा, विशेष कार्य स्थिगित रखे व्यवस्था उत्तम बनी रहेगी।

कन्या राशि सामाजिक कार्यो में प्रभुत्व, प्रतिष्ठा वृद्धि, दृढ़ता से कार्य निपटा लेंगे, ध्यान रखे।

तुला राशि - दुर्घटना का शिकार होने से बचिए, भाग्य का सितारा साथ देगा, रुके कार्य बन जाएगा।

वृश्चिक राशि - असमर्थता का वातावरण, क्लेश युक्त रहेगा तथा मानसिक बेचैनी अवश्य ही बढ़ेगी।

धनु राशि - अर्थलाभ कार्य कुशलता से सहयोग मिले, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, कार्य पूर्ण संपन्न होगे।

मकर राशि - धन का व्यय असमर्थता का वातावरण रहेगा, कार्य व्यवसाय में ध्यान सदैव रखे कार्य संपन्न होगे।

कुंभ राशि - स्थिति यथावत बनी रहेगी, प्रयत्न जारी रखे किन्तु परिणाम अच्छा लाभकारी नहीं होगा।

मीन राशि - मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके कार्य एक-एक करके बनेंगे।

शिक्षा-क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आवश्यक

डा. कृष्णगोपाल मिश्र

आज 'शिक्षा' का अर्थ साक्षरता और सूचनात्मक जानकारियों से समृद्ध होना है और आज की शिक्षा का उद्देश्य किसी शासकीय, अशासकीय कार्यालय का वेतनभोगी अधिकारी-कर्मचारी बनना भर है। इस अर्थ में शिक्षा अपने वास्तविक स्वरुप और उद्देश्य से बहुत दूर है और तथाकथित शिक्षित उत्पन्न कर आधी अधूरी क्षमताओं वाले बेरोजगारों की भीड़ जुटा रही है । आधुनिक शिक्षा की इसी अपूर्ण और असफल अवधारणा को लक्ष्य कर कभी राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने इसके नाश की कामना करते हुए 'भारत भारती' में लिखा था -

शिक्षे! तुम्हारा नाश हो ,
तुम नौकरी के हित बनीं
।

भारतवर्ष में शिक्षा का यह भ्रामक स्वरुप ब्रिटिशकाल में अस्तित्व में आया। अंग्रेजों का उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षा के माध्यम से भारतीयों में एक ऐसे नए वर्ग का निर्माण करना था जो राजकाज में उनकी सहायता करके ब्रिटिश राज्य की रीतियों-नीतियों को संचालित करने में तथा उनके शासनतंत्र को स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो। शिक्षा के माध्यम से आत्मगौरव, मूल्यचेतना, विवेक-बोध आदि आवश्यक उद्देश्यों को प्राप्त करने की न उन्हें आवश्यकता थी और न उन्होंने इसके लिए कोई प्रयत्न किया। उन्हें अपने साम्राज्य-रथ को खींचने के लिए तथाकथित शिक्षित युवाओं के रुप में ऐसे अश्व चाहिए थे जो केवल दाना-पानी और थोड़ी सी सुविधाओं के लिए अपने सांस्कृतिक मूल्यों से कटकर उनकी चाकरी में ही जीवन की सार्थकता स्वीकार करें। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत भी शिक्षा का यही छद्म हमारे देश में विकसित हुआ है। परिणामतः शिक्षितों के नाम पर नैतिकमूल्य-विहीन सुविधाजीवियों की ऐसी भारी भीड़ समुपस्थित है, जो कर्तव्य-बोध से बहुत दूर है और अधिकारों की प्राप्ति के लिए हिंसक आंदोलनों पर उतारू है। एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र में छपी खबर के अनुसार जैन समाज के लगभग 422 तीर्थयात्रियों का बड़ा समूह झारखंड में स्थित जैनतीर्थ सम्मेद शिखरजी की यात्रा के लिए प्रातः 6 बजे 'इंदौर हावड़ा शिप्रा एक्सप्रेस' से यात्रा करने के लिए गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पर पहुंचा किंतु तीर्थयात्रियों की पहले से आरक्षित सीटों पर अनाधिकृत रूप से कब्जा जमाए बैठे बिहार के लगभग पांच सौ युवकों ने, जो इंदौर से रेलवे की परीक्षा देकर वापस लौट रहे थे, तीर्थयात्रियों को यात्रा नहीं करने दी। झगड़ा, पथराव, चेनपुलिंग जैसी अवांछनीय गतिविधियों द्वारा उन्होंने नियमानुसार यात्रा के लिए पात्र नागरिकों को उनके न्यायोचित अधिकार से वंचित कर दिया और अपनी सुविधा के लिए अपराध के स्तर तक जाकर आज की शिक्षा-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया। भीड़ में बदलकर युवा-शक्ति का दुरुपयोग करती यह कैसी शिक्षित पीढ़ी है, जिसमें न अपने उत्तरदायित्व का भान है ; न अपने कर्तव्य का ज्ञान है ; न अपने देश के कानून और नागरिकों के सम्मान की भावना है। ऐसी तथाकथित शिक्षित पीढ़ी से हम किस स्वर्णिम भविष्य की आशा कर सकते हैं ? युवकों की अपनी समस्याएं हो सकती हैं, किंतु इनका यह समाधान कदापि नहीं हो सकता कि वे अन्य नागरिकों के अधिकारों के हनन पर उतारू हो जाएँ। ऐसी अनुत्तरदायित्व पूर्ण मानसिकता की उद्दंड पीढ़ी नौकरी पाकर क्या जनसेवा करेगी ? यह एक बड़ा प्रश्न है! इस प्रकार की यदा-कदा घटने बाली दुर्घटनाएँ इस तथ्य की साक्षी हैं कि हमारी वर्तमान शिक्षा-व्यवस्था अच्छे और अनुशासित नागरिक बनाने में असफल हो रही है । आए दिन घटने वाली ऐसी दुर्घटनाओं के लिए केवल युवकों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं कहा जा सकता। इसके लिए शिक्षा-व्यवस्था, शिक्षक, समाज और विफल होती कानून व्यवस्था भी उत्तरदायी है। हम अपने बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाने में असफल हो रहे हैं। माता-पिता, परिजनों और शिक्षकों की अनुत्तरदायित्व पूर्ण मनमानियां नई पीढ़ी को संस्कारित करने में असमर्थ सिद्ध हो रही हैं।

सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे

ललित गर्ग

यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं।

ज्ञान के दीपक होते हैं शिक्षक

रमेश सर्राफ धमोरा

5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष

कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया है:-

"गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट"

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

"जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी"

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है। शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दुनियां के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बनाए रखें रिश्ते की अहमियत

हम अपनी जिंदगी में कई लोगों से मिलते हैं। उनसे मुलाकात होती है, बात होती है लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा व्यक्ति हमारी जिंदगी में आता है जिसके साथ हम अपनी पूरी जिंदगी बिताना चाहते हो और यह मुलाकात एक खूबसूरत व सच्चे रिश्ते में तब्दील हो जाती है। लेकिन इस रिश्ते को निभाना इस रिश्ते में आने से ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि हम अक्सर देखते हैं कि छोटी-छोटी बातें कुछ ऐसा प्रभाव डालती हैं कि जिससे उन रिश्तों की मजबूती कमजोर पड़ने लगती है और बातें कम तथा एक-दूसरे के साथ सिर्फ अनबन शुरू हो जाती है। अगर आप भी अपने रिश्तों में इन बातों को महसूस कर रहे हैं तो एक बार इस लेख को पढ़ लीजिए जिससे कि आप समझ पाएंगे अपने रिश्ते की अहमियत को।

एक सच्चा साथी बड़ी मुश्किल से मिलता है। यदि आपके पास वो साथी है, जो आपके लिए ईमानदार है तो इस बात की कद्र कीजिए। जी हां, किसी भी रिश्ते में ईमानदारी होना बहुत जरूरी है। एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहें। अगर आपका पार्टनर आपको किसी चीज के लिए मना कर रहा है जिससे कि उसे तकलीफ हो रही है तो उसकी बातों को महत्ता दें। साथ ही यदि आपका पार्टनर किसी बात को गलत तरीके से ले रहा है तो उस बात पर गुस्सा होने की जगह आप उसे प्यार से समझाएं, क्योंकि गुस्से में आप अपनी बात उसे नहीं समझा पाएंगे और बातें सिर्फ बिगड़ेंगी। इसलिए शांति के साथ बातों को सुनें और अपनी बात भी रखें।

एक-दूसरे से करें बात

चाहें आप कितने भी व्यस्त क्यों न हों लेकिन अपने साथी के लिए समय जरूर निकालें, क्योंकि आपसी संचार आपके रिश्ते को मजबूती देता है इसलिए समय-समय पर इस बात का अहसास कराएं कि आप उनके बारे में व्यस्त होने के बाद भी सोचते हैं। किसी भी रिश्ते में वफादारी बहुत जरूरी होती है। यदि आप चाहते हैं कि आपका पार्टनर आपके लिए वफादार रहे तो आपको भी वफादार रहना चाहिए।

एक-दूसरे को दें पूरी आजादी

यदि आपकी भी आदत रोकने-टोकने की है तो इसे बंद करना ही सही है, क्योंकि किसी भी मजबूत रिश्ते के लिए एक-दूसरे को आजाद रखना ज्यादा जरूरी है। उनकी खुशी जिसमें है, उन्हें उसके लिए न रोके।

गर्म कपड़ों को फफूंद लगने से बचाएंगे ये टिप्स

अक्सर देखा जाता है कि सर्दियों में पहने वाले कपड़े लकड़ी की अलमारी में रखने से उनमें बदबू आने लगती है। कई बार कपड़ों से बदबू आने के साथ-साथ उनपर सफेद दाग भी पड़ जाते है, जिन्हें फफूंद कहा जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनसे आप गर्म कपड़ों को फफूंद लगने से बचा सकते हैं।

प्लास्टिक बैग का करे इस्तेमाल

फफूंद से बचाने के लिए पसंदीदा कपड़ों को प्लास्टिक के बैग में रख दें। इससे कपड़ें लकड़ी के साथ-साथ मैटल की अलमारी में भी खराब नहीं होंगे।

नमी से बचाए

फफूंद सीलन, नमी और गर्म वातावरण में सबसे ज्यादा होती है इसलिए अलमारी को हफ्ते में 1 बार जरूर साफ करें। साथ ही जब भी समय मिले तब अलमारी को खोल दें, ताकी उन में सीलन या गर्मी पैदा ना हो।

ऊनी कपड़ों की देखभाल

गर्म कपड़ों को कभी भी नमी वाले स्थान पर न रखें। उन्हें ऐसी जगह पर रखें, जहां हवा आती हो। इससे उन में बदबू नहीं आएगी और वह फूफंद लगने से भी बचे रहेंगे।

धूप में रखें

उमस के कारण भी कपड़ों में फंगस लग जाती है। ऐसे में हफ्ते में 1 बार कपड़ों को धूप लगवाएं। साथ ही अलमारी को हल्का-सा पानी छिड़ककर साफ करें। इससे कपड़े नए के नए रहेंगे।

अखबार में लपेटकर रखें

जैकेट के फर में फफूंद ज्यादा जल्दी फैलती है इसलिए अगर आपके पास फर वाली जैकेट या स्वेटर हैं तो इन्हें अखबार में लपेटकर रखें। इसके अलावा उन्हें हफ्ते में एक बार धूप में जरूर सुखाएं।

नेफथलीन बॉल का इस्तेमाल

अगर कपड़ों से बदबू आ रही है तो उसे धूप में सुखाएं। इससे बदबू चली जाएगी। फिर कपूर के पानी से अलमारी की दराज को अच्छी तरह साफ करके सूखाएं। आप बदबू को रोकने के लिए नेप्थलीन की गोलियां भी रख सकते हैं। इसके अलावा फैब्रिक फ्रेशनर या लैवेंडर से भी कपड़ो को फंगस से बचाया जा सकता है और इससे उनमें बदबू नहीं आती।

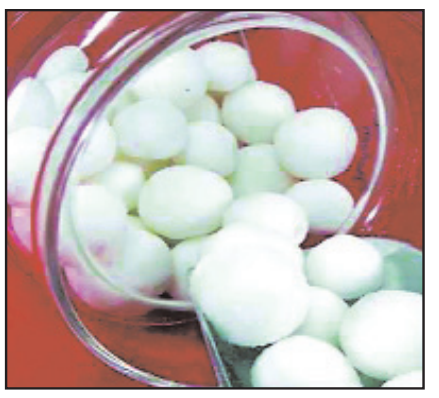

तनाव की निशानी हैं बच्चे के व्यवहार में आए ये बदलाव

तनाव आजकल आम परेशानी बनता जा रहा है। पारिवारिक माहौल या फिर पढ़ाई के बढ़ते बोझ के कारण छोटे-छोटे बच्चे भी चिंता, तनाव, दवाब या अवसाद का शिकार हो रहे हैं लेकिन पेरेंट्स को आसानी से इस बात का पता नहीं चल पाता कि उनका बच्चा स्ट्रेस में हैं। बच्चा अगर तनाव या स्ट्रेस में हो तो उनके व्यवहार के साथ-साथ शारीरिक और भावनात्मक बदलाव भी नजर आने लगते हैं, जिन्हें समझना बेहद जरूरी है, ताकि उसे स्ट्रेस से बाहर निकाला जा सके।

बच्चों में तनाव के कारण

मां-बाप का व्यस्त होना -कामकाजी होने के कारण आजकल मां-बाप बच्चों की तरफ ध्यान नहीं दे पाते। जिससे बच्चा तनाव में आ जाता है। जब भी समय मिले अपने बच्चे के लिए समय जरूर निकालें। उसे डिनर,पिकनिक या फिल्म देखने ले जाएं।

पढ़ाई का तनाव - आजकल कंपीटिशन का जमाना है। पढ़ाई के बढ़ते तनाव, होमवर्क पूरा न हो पाना,माक्स कम आना या फिर मेहनत करने के बावजूद भी दूसरे बच्चों से पीछे रहना आदि बच्चे में तनाव के कारण हो सकते हैं। ऐसे में डांटने की जगह आपको बच्चे का साथ देना चाहिए।

खेलों में दूरी बनाना - पढ़ाई या फिर भविष्य को लेकर बच्चे इतने व्यस्त रहते हैं। खाना-पीना तो दूर उनके पास खेलने का समय भी नहीं होता। मोबाइल, कंप्यूटर की बजाय बच्चे को आउट डोर गेम्स खेलने के लिए बाहर ले जाएं। इससे आप बच्चे के साथ समय भी बिता पाएंगे और वह खेल-खेल में अपने मन की बात भी शेयर करने लगेगा।

बच्चों में तनाव के लक्षण

व्यवहार में आता है बदलाव

अगर बच्चा तनाव में है तो सबसे पहला असर उसके व्यवहार में नजर आएगा। स्ट्रेस होने पर बच्चों में बात पर उसका मूड खराब हो जाना या चिढ़ जाना, कभी अचानक से गमसुम होना, बिना बात घंटो रोना और उदास रहना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे में अगर आपको बच्चे में ये बदलाव दिखाई दें तो उसे अनदेखा ना करें।

बिस्तर गीला करना

छोटे बच्चे अक्सर नींद में बिस्तर गीला कर देते हैं लेकिन 3-4 साल की उम्र में वह इस पर काबू पा लेते हैं। बढ़ती उम्र में इसका कारण भावनात्मक भी हो सकता है। पेरेंट्स की अटैंशन न मिलने के कारण भी बच्चा तनाव महसूस करता है और नींद में अक्सर बिस्तर गीला कर देता है।

पसंदीदा चीजों से हो जाते हैं दूर

यदि आपका बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने, फेवरेट कॉर्टून्स, पसंदीदा डिश से दूर बना लेता है तो वह किसी न किसी तरह के स्ट्रेस में हो सकता है।

स्कूल से बच्चे की शिकायत आना

कभी-कभार स्कूल से बच्चे की शिकायत आना बेहद नॉर्मल बात है क्योंकि बच्चे स्कूल में मस्ती करते रहते हैं लेकिन अचानक ज्यादा शिकायतें आने लगे तो समझ लें कुछ गड़बड़ है।

नाखून चबाना

बच्चे जब जरूरत से ज्यादा सोचते हैं या परेशान होते हैं तो अनजाने में अपने नाखून चबाने लगते हैं। खाने व सोने की आदतों में बदलाव बच्चा तनाव महसूस करता है तो उसकी खाने व सोने की आदतें बदल जाती हैं। कई बार तनावग्रस्त बच्चे बहुत ज्यादा खाने या सोने लगते हैं जबकि कई बार वह इसका उल्टा करते हैं।

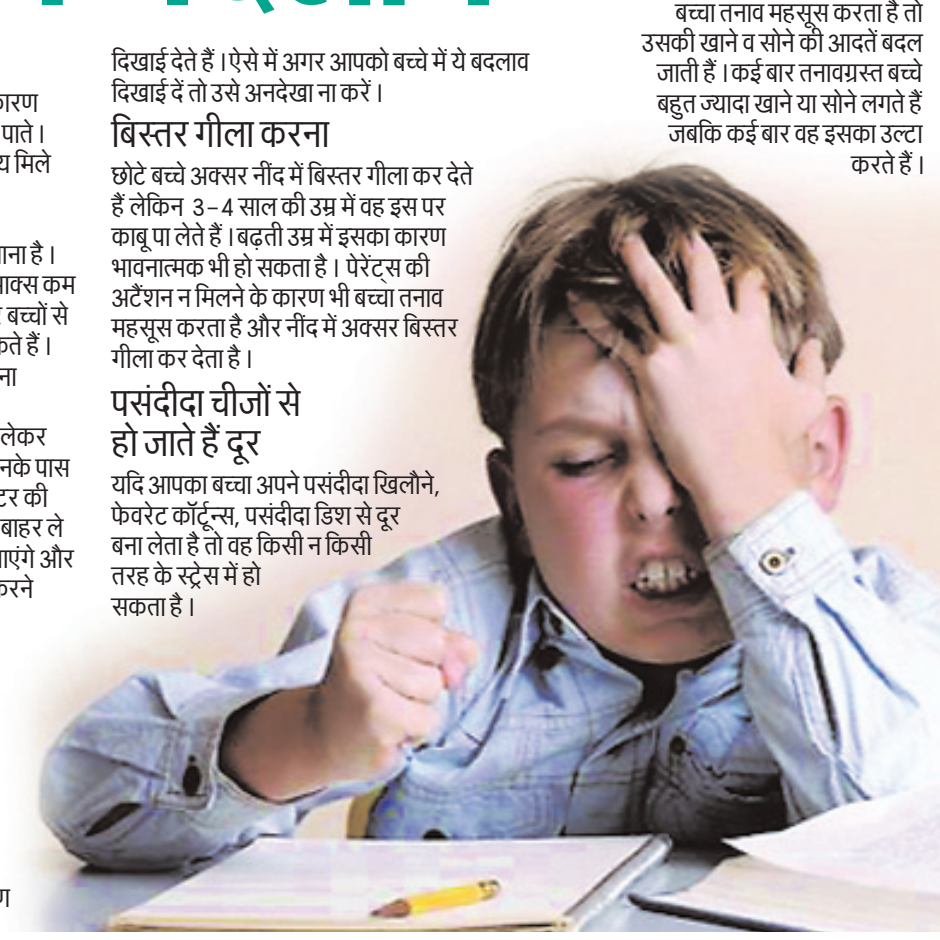

बेहद खूबसूरत होता है प्यार का रिश्ता

प्यार का रिश्ता बेहद खूबसूरत होता है और इसका एहसास भी उतना ही शानदार होता है। लेकिन इन रिश्तों में हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो इसे मजबूत करने की जगह इसे कमजोर कर देती हैं और हमारा पार्टनर हमारे करीब आने की जगह हमसे दूर जाना बेहतर समझता है। आखिर वे क्या गलतियां हैं, जो नए-नए रिश्तों को मजबूत करने की जगह इसे खोखला कर देती हैं, आइए जानते हैं-

ओवर पसेसिव होने से बचें

यदि आप रिश्ते में आते ही ओवर पसेसिव हो रही हैं तो अभी संभल जाए, क्योंकि यह बात आपके पार्टनर को आपसे दूर कर सकती है। 'यहां मत जाओ', 'ऐसा मत करो', 'इनके साथ मत घूमो', 'सिर्फ मुझको ही टाइम दो', ऐसी बातें आपके पार्टनर को इरिटेड कर सकती हैं। आपका पार्टनर आप में एक अच्छा दोस्त और एक अच्छा पार्टनर देखना चाहता है, न कि टीचर। इसलिए ऐसी बातों से आप दूर ही रहें। यही आपके रिश्ते के लिए सही है।

दोस्तों की न करें बुराई

यदि आप अपने पार्टनर के दोस्तों की बुराई करते हैं तो इसे अभी रोक दीजिए। ऐसा करने से आपके पार्टनर को आपके लिए गलतफहमी हो सकती है कि आप उनके दोस्तों से उन्हें दूर करना चाहती हैं, इसलिए इन बातों को न ही करें तो बेहतर है। अगर आप भी अपने पार्टनर को किसी दूसरे के साथ कम्पेयर करती हैं या करते हैं, तो इसे बिलकुल भी न करें। ऐसा करके आप अपने पार्टनर को दुख पहुंचा रहे हैं। उनकी दूसरों से तुलना करके उन्हे नेगेटिव कर रहे हैं। आपको अपने पार्टनर को नेगेटिव नहीं, पॉजीटिव रखना है। और ध्यान रखें कि हर व्यक्ति अपने आप में बेहतरीन होता है।

छोटी-छोटी बातों पर बातों को न बढ़ाएं

यह बात आपके शुरुआती रिश्ते को कमजोर कर सकती है। हमेशा उन्हें समझने की कोशिश करें और यदि वह गलत है तो इसे समझदारी के साथ समझाएं।

गलतफहमियां लाती हैं रिश्तों में दरार

गलतफहमियां अच्छे-अच्छे रिश्तों को खत्म कर देती हैं। अगर गलतफहमियों को समय रहते ठीक न किया जाए तो कई रिश्ते इनके कारण टूट भी जाते हैं। जीवन में सच्चे व पवित्र रिश्ते बहुत मुश्किल से मिलते हैं, फिर वो चाहे मित्रता हो, जीवनसाथी हो या आपके परिवार के रिश्ते। हर रिश्ते का अपना महत्व होता है और इन्हें पूरी ईमानदारी के साथ निभाना हमारा कर्तव्य। अगर आपके रिश्ते भी गलतफहमी का शिकार हो रहे हैं तो इन्हें समय रहते संभाल लें ताकि आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहे और कड़वाहट की इसमें कोई जगह न हो। ईगो अच्छे-अच्छों रिश्तों को बिगाड़ देता है। एक बेहतर रिश्ते को बनाए रखने के लिए ईगो को खूद से बहुत दूर रखें। मैं ही पहले क्यों बात करूं, मैं ही क्यों हमेशा रिश्ते के लिए सोचूं? इस तरह की बातों को अपने अंदर से निकालना ही एक मजबूत रिश्ते को बनाए रखने के लिए जरूरी है। हमेशा रिश्तों में 'मैं' नहीं 'हम' होना महत्व रखता है। इसलिए हमेशा कौन पहले पहल कर रहा है, यह मायने नहीं रखता। मायने रखता है तो सिर्फ रिश्ता। त्याग की भावना हमेशा आपको एक-दूसरे के करीब लेकर आएगी। अगर आप खुद से पहले अपने पार्टनर के बारे में सोचेंगे यानी खुद की खुशी से पहले अपने साथी की खुशी आपके लिए जरूरी होगी, तो आपके रिश्ते और भी ज्यादा खूबसूरत होंगे और ऐसे मजबूत रिश्तों में गलतफहमियों कि जगह होती ही नहीं है। अगर किसी बात को लेकर आप दोनों के बीच में सहमति नहीं बन पा रही है, तो एक-दूसरे को समय दें। अपने पार्टनर की बात सुनें और अपनी बात भी पूरे प्रेम के साथ समझाएं। जो बात आपस में मिलकर हो सकती है, वो बिना बात किए या चुप रहे नहीं हो सकती। इसलिए एक-दूसरे से उस विषय पर बात जरूर करें, क्योंकि चुप्पी साधकर बैठने से सिर्फ गलतफहमियां ही रिश्तो में जगह बना पाती है।

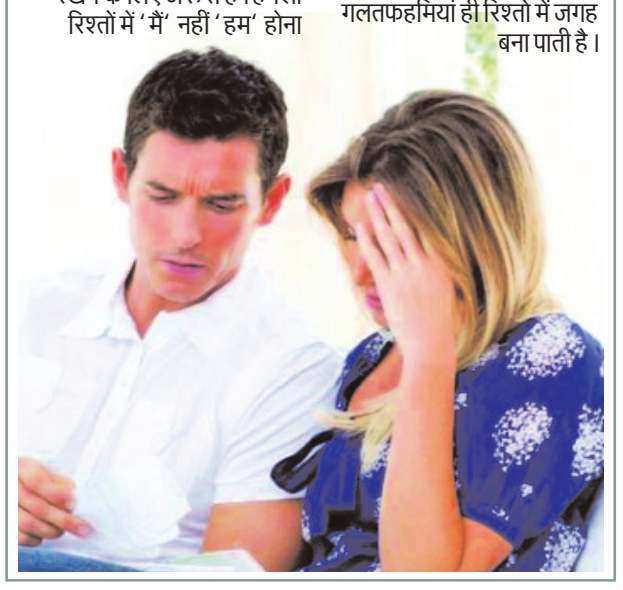

दलीप ट्रॉफी आज से

ऋषभ कार हादसे के बाद पहली बार चार दिवसीय मैच खेलेंगे

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होगा। इसमें सभी की नजरें भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर रहेंगी। ऋषभ दिसंबर 2022 में सड़क हादसे में घायल होने के बाद इस टूर्नामेंट के जरिये पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करेंगे। ऋषभ ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में पहले ही सफल वापसी कर ली है पर लंबी अवधि के प्रारूप में वह पहली बार खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला शुभमन

गिल की कप्तानी वाली ए टीम से होगा। ऋषभ को सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी में समस्या नहीं हुई पर इस चार दिवसीय टूर्नामेंट से उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबे समय तक मैदान पर रहना होगा जो उनके लिए आसान नहीं रहेगाहै। उन्हें टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर बनाया गया है। इस टूर्नामेंट के आधार पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए विकेटकीपर का चयन होगा। चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी शुरुआती श्रृंखला में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है। चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

अब एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। चीन में 8 से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में अब भारतीय टीम अपना खिताब बनाये रखने उतरेगी। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भी भाग लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनकी टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण जीतकर अपना खिताब बरकरार रखना है। हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक पदक से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर अब टीम उसी को याद करने की जगह आगे के मुकाबलों पर ध्यान दे रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी इसमें भारतीय टीम को 8 सितंबर को चीन से खेलना है। इसके बाद उसे नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना करना है। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें

सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा । भारत ने अब तक ये चार बार जबकि पाकिस्तान ने तीन बार एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। पिछली बार भारत ने मलेशिया को हराकर खिताब जीता था। हरमनप्रीत ने कहा कि हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक के बाद खिलाड़ियों का आराम के लिए समय मिला था जिससे अब वे तरोताजा हो गये हैं। ऐसे में अब टीम की नजरें इस ट्रॉफी पर लगी हैं। हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक समाप्त कर उनकी टीम एशियाई टीमों का मुकाबला करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा पर हॉकी काफी करीबी खेल है। हम पिछले अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते, हमें हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।'' इस ट्रॉफी में इस बार भी भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह भारतीय टीम के साथ होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में हमेशा ही दोनो टीमों में कड़ा मुकाबला रहा है। इस साल के अंत में भारतीय टीम इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में हमेशा ही मुकाबला बराबरी का रहा है। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखी है। इस दौरान भारतीय टीम ने साल 2018/19 और 2020/21 में हुए मुकाबले जीते हैं। कमिंस ने माना है कि पिछले कुछ समय से इसमें भारतीय टीम हावी रही है पर कहा कि इसके बाद भी उनकी टीम का दावा कमजोर नहीं माना जा सकता है। कप्तान ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी इस सीरीज

को लेकर उत्साहित हैं , इसके साथ ही उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। उनका मानना है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उनकी टीम ने भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने कहा, ये सही है कि पिछली दो सीरीज में हम सफल नहीं रहे पर अब काफी समय हो गया है। अब अपनी पिछली गलतियों को इस बार ठीक करेंगे। आप जानते ही होंगे कि हमने उनके खिलाफ कई बार खेला है, जहां उन्होंने हमें हराया है पर हमने भी उनके खिलाफ कई बड़ी जीत दर्ज की है, जिससे हमारा मनोबल बढ़ा हुआ है। हमें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की जीत को ध्यान में रखना चाहिए। उस मुकाबले में हम शीर्ष पर रहे। भारत के खिलाफ हमारा मुकाबला हमेशा बहुत ही बेहद प्रतिस्पर्धी होता है। मैं बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। ऑस्ट्रेलिया की टीम साल 2014/15 के बाद से ही अपनी घरेलू धरती पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है।

पेरिस पैरालिंपिकः सचिन खिलारी ने पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्धा में जीता रजत

पेरिस। पैरा-एथलीट सचिन खिलारी ने बुधवार को चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की शॉट पुट एफ46 फाइनल में रजत पदक जीता। सचिन ने 16.32 मीटर थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जो क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ (एबी) भी है। हालांकि, भारतीय एथलीट 0.6 मीटर से चूकने के कारण शीर्ष स्थान से चूक गए। कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, यह उनका सीजन का सर्वश्रेष्ठ (एसबी) प्रदर्शन भी था। इस बीच, क्रोएशिया के लुका बाकोविक ने 16.27 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। हांग्जो में पिछले एशियाई पैरा खेलों में, सचिन ने स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 2023 और 2024 संस्करणों में शीर्ष स्थान

हासिल किया। भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन वर्ष पहले टोक्यो पैरालंपिक खेलों में जीते गए 19 पदकों के अपने सर्वोच्च स्तर को पार करते हुए पेरिस में इतिहास रच दिया है। भारत ने अब तक 21 पदक जीत लिया है, जिसमें 3 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं। टोक्यो संस्करण (24 अगस्त - 5 सितंबर, 2021) में भारत ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित 19 पदकों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

आईएसएल में बेंगलुरू एफसी की कप्तानी करेंगे छेत्री

बेंगलुरू। आईएसएल 2024-25 सत्र की शुरुआत 13 सितंबर को यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जाइंट के बीच मुकाबले से होगी। इसमें भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री भी खेलते हुए दिखेंगे। छेत्री की कप्तानी में बेंगलुरू एफसी 14 सितंबर को बेंगलुरू में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दिग्गज खिलाड़ी छेत्री ने कहा है कि कहा कि आईएसएल उनकी पसंदीदा लीग है और इसमें खेलना उन्हें हमेशा ही अच्छा लगता रहा है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले जब ये लगी शुरु हुई थी तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि ये इतनी तेजी से आगे बढ़ेगी साथ ही कहा कि इस लीग के आने के बाद नई प्रतिभाएं उभरी हैं ओर नई टीमें भी सामने आई हैं। छेत्री ने कहा, ''यह शानदार रहा है। 10 साल पहले अगर मेरे से पूछा

जाता कि आईएसएल कहां पहुंचेगा या भारतीय फुटबॉल में इसका क्या स्थान होगा तो शायद मैं बता नहीं पाता। यह आठ क्लबों की दो महीने लंबी लीग से लेकर अब पूरे साल चलने वाली लीग बन गयी है इसे कई अच्छे खिलाड़ी निकले हैं। '' इसी कारण यह मेरे जीवन की सबसे अहम प्रतियोगिताओं में से एक बन गई है। मैं एक भारतीय फुटबॉल प्रशंसक हूं इसलिए मुझे उम्मीद है कि भविष्य में यह तेजी से बढ़ेगी। हाल में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले छेत्री ने कहा कि बाईचुंग भूटिया भाई, आईएम विजयन जैसे खिलाड़ियों से उन्हें हमेशा ही बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली।

व्यापार

हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरतः प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने तथा युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रह्लाद जोशी ने 'हरित हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की जरूरत है। ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से ज्यादा स्टॉल होंगे। इसमें 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और

नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र होंगे। इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह ग्रीन हाइड्रोजन परिदृश्य के बारे में हमारी समझ को गहरा करने और वैश्विक वैज्ञानिक समुदायों और उद्योगों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर होगा। इस कार्यक्रम के साझेदार भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल-अगस्त के बीच सालाना आधार पर 6.48 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अगस्त के बीच सालाना आधार पर 6.48 प्रतिशत बढ़कर 384.08 मिलियन टन (एमटी) हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह 360.71 मिलियन टन था। कोयला मंत्रालय की ओर से बताया गया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से अगस्त के बीच 290.39 एमटी कोयले का उत्पादन किया है। इसमें सालाना आधार पर 3.17 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पिछले वित्त वर्ष में समान अवधि में कोयला उत्पादन 281.46 एमटी था। कैप्टिव और अन्य संस्थाओं से भी कोयला उत्पादन में तेज ग्रोथ देखने को मिली है। अप्रैल से अगस्त के बीच इनका कोयला उत्पादन 68.99 एमटी रहा है। इसमें

सालाना आधार पर 30.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल यह आंकड़ा 52.84 मिलियन टन था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोयला उत्पादन के क्षेत्र में बीते चार वर्षों से लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। 2019-20 में यह आंकड़ा 730.9 मिलियन टन था। वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत से अगस्त तक कुल 412.07 एमटी (प्रोविजनल) कोयला पावर प्लांट तक पहुंचाया गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 391.93 एमटी में था। इसमें सालाना आधार पर 5.14 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। सीआईएल की ओर से समीक्षा अवधि में 309.98 एमटी कोयला पावर प्लांट तक पहुंचाया गया है। इसमें सालाना आधार पर 1.51 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। पिछले साल यह आंकड़ा 305.37 एमटी था। कैप्टिव और अन्य संस्थाओं द्वारा पावर प्लांट को 76.95 एमटी कोयला भेजा गया है। इसमें सालाना आधार पर 31.48 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, पिछले साल यह आंकड़ा 58.53 एमटी था। वित्त वर्ष 2023-24 में देश के कोयला उत्पादन में 11.7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी और यह 997.83 मिलियन टन रहा था। बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार भी कोयला उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है, जिससे विदेशों से कोयला आयात को कम किया जा सके।

सेंसेक्स 542 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 169 अंकों की गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दिख रही है। बाजार के प्रमुख सूचंकाक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 542.05 अंक यानी 0.66 फीसदी लुढ़ककर 82,013.38 अंकों पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, शुरुआती कारोबार में नेशनल स्टॉक एकसचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 169.40 अंक यानी 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ 25,110.45 अंकों पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 शेयर में गिरावट दिख रहा है। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 शेयरों में गिरावट है, जबकि केवल चार शेयरों में तेजी दिख रही है। आईटी,

मेटल और एनर्जी के शेयरों में ज्यादा गिरावट है। एशियाई बाजार में आज बड़ी गिरावट दिख रही है। जापान के निक्केई इंडेक्स में 3.31 फीसदी की गिरावट है। वहीं, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.90 फीसदी और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.40 फीसदी की गिरावट है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 4.41 अंक यानी 0.0053 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 82,555.44 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, एनएसई का निफ्टी 1.15 अंक यानी 0.0046 की उछाल के साथ 25,279.85 पर बंद होने में कामयाब रहा था।

सरकार ने निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना 30 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को एक और महीने के लिए 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक व्यापार अधिसूचना में कहा गया है कि व्यापार तथा उद्योग को सूचित किया जाता है कि निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक निर्यातकों को ब्याज लाभ प्रदान करने वाली यह

योजना 31 अगस्त, 2024 को समाप्त हो गई थी। जून में इस योजना को दो महीने के लिए बढ़ाया गया था। ये योजना केवल एमएसएमई विनिर्माण निर्यातकों के लिए है। उल्लेखनीय है कि निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले 8 दिसंबर, 2023 को इस योजना को 30 जून तक जारी रखने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को अपनी मंजूरी दी थी।

सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार में पूंजी प्रवाह से बढा एफडीआई

नई दिल्ली। देश में सेवा, कंप्यूटर, दूरसंचार और औषधि क्षेत्रों में बेहतर पूंजी प्रवाह से एफडीआई बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 47.8 प्रतिशत बढ़कर 16.17 अरब डॉलर रहा। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून के दौरान एफडीआई प्रवाह 10.94 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, मई में विदेशी निवेश बढ़कर 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में क्रमशः 2.67 अरब डॉलर और 3.16 अरब डॉलर था। एफडीआई प्रवाह अप्रैल में मामूली गिरावट के साथ 4.91 अरब

डॉलर रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 5.1 अरब डॉलर था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 22.49 अरब डॉलर रहा, जो बीते वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-जून में 17.56 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह में इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेश आय और अन्य पूंजी शामिल है। इस अवधि के दौरान, मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, केमैन द्वीप और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह बढ़ा। हालांकि, जापान, ब्रिटेन और जर्मनी से एफडीआई में कमी आई। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान महाराष्ट्र को सबसे अधिक 8.48 अरब डॉलर का पूंजी निवेश प्राप्त हुआ। इसके बाद कर्नाटक (2.28 अरब डॉलर), तेलंगाना (1.08 अरब डॉलर) और गुजरात (1.02 अरब डॉलर) का स्थान रहा। दिल्ली और राजस्थान में पिछले साल की तुलना में एफडीआई में गिरावट आई है। क्षेत्रवार देखा जाए तो सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, औषधि और रसायन क्षेत्र में पूंजी प्रवाह बढ़ा।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए। क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है। भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है। वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता

है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं। स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं। मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 2015 में परवरिश-सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था। वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था। जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद डोगरा एक भ्रम..सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां - सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं। वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है। भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं। इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो गुम है किसी के प्यार में आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

बॉक्स ऑफिस पर नानी की सारिपोधा सानिवारम ने मचाया धमाल

वर्ल्डवाइड 70 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है, इसने अपने प्रदर्शन के चार दिन पूरे कर लिए हैं और इसकी गति धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। 29 अगस्त, 2024 को रिलीज़ हुई, एक्शन ड्रामा ने चौथे दिन 10+ करोड़ रुपये की प्रभावशाली कमाई की है, जिससे कुल वैश्विक कमाई 68.52 करोड़ रुपये हो गई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के बावजूद, जिसने विजयवाड़ा और गुंटूर जैसे प्रमुख शहरों में दर्शकों की संख्या को प्रभावित किया, फिल्म ने अभी भी दुनिया भर में केवल चार दिनों में 40 करोड़ रुपये के करीब की कमाई करने में कामयाबी हासिल की है। अमेरिका में फिल्म का प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है, जहां देश में नानी के मजबूत प्रशंसक आधार की बदौलत 2 मिलियन डॉलर के करीब कलेक्शन हुआ है। एक्शन एपिसोड दिखाने में निर्देशक विवेक अथरेया की विशेषज्ञता की प्रशंसा की गई है, जबकि जेक्स बेजॉय का बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म का मुख्य आकर्षण रहा है। इस सप्ताह कोई बड़ी रिलीज नहीं होने के कारण, सारिपोधा सानिवारम बड़ी कमाई करने के लिए तैयार है, हालांकि इसे सुरक्षित क्षेत्र में रहने के लिए 45 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करनी होगी। दशहरा और हाय नन्ना के बाद, नानी सारिपोधा सानिवारम के साथ हैट्रिक बनाने की कगार पर है, जो अपने पहले सप्ताह में ही मुनाफे में प्रवेश करने की कगार पर है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले ही नेटफ्लिक्स को ओटीटी अधिकार आकर्षक कीमत पर बेच दिए हैं, जिससे अच्छा मुनाफा सुनिश्चित हो गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी, लेकिन फिलहाल इसका फोकस इसके थिएटर रन पर है। बारिश के बावजूद, फिल्म ने मल्टीप्लेक्स में 70 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी बनाए रखी है, जो दर्शकों के लिए इसकी मजबूत अपील को दर्शाता है। जैसे-जैसे सप्ताह के दिन शुरू होते हैं, यह देखना बाकी है कि आने वाले दिनों में सारिपोधा सानिवारम कितना कलेक्शन करेगी। हालांकि, इसकी मजबूत शुरुआत और सकारात्मक वर्ड-ऑफ-माउथ के साथ, फिल्म के अपने सफल प्रदर्शन को जारी रखने और अपने निर्माताओं के लिए एक लाभदायक उद्यम के रूप में उभरने की संभावना है।

विस्फोट से सामने आई रितेश देशमुख और फरदीन खान की पहली झलक

रिलीज तारीख भी जारी

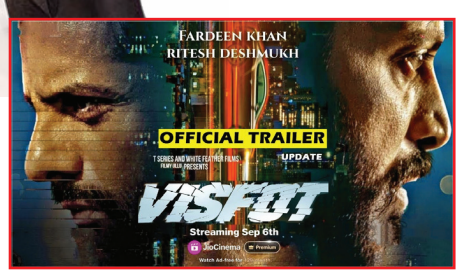

काफी समय से फिल्म विस्फोट चर्चा में है। कांटे जैसी कई सफल फिल्में बना चुके निर्देशक संजय गुप्ता ने इस फिल्म को टी-सीरीज के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि इसमें अभिनेता फरदीन खान और रितेश देशमुख साथ दिखने वाले हैं।खबरें थीं कि विस्फोट सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी, लेकिन यह कब और किस प्लेटफॉर्म पर आगएी, इसकी जानकारी नहीं मिली थी। बता दें कि यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिससे फरदीन और रितेश दोनों की पहली झलक सामने आ गई है। उनका धांसू लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है।रितेश ने पोस्टर साझा कर लिखा, विस्फोट 6 सितंबर को जियो सिनेमा पर रिलीज हो रही है। उधर फरदीन लिखते हैं, 6 सितंबर को अपनी स्क्रीन पर सबसे बड़े विस्फोट के लिए तैयार हो जाइए। इस फिल्म में टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा भी अहम भूमिका में हैं, जिन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म चेहरे से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।बता दें कि फरदीन इस फिल्म से पर्दे पर अपनी वापसी करने वाले थे, लेकिन किसी न किसी वजह से रिलीज आगे टलती गई और संजय लीला भंसाली की हीरामंडी: द डायमंड बाजार उनकी कमबैक सीरीज बनी।

स्त्री 2 ने तोड़ा बाहुबली 2 का तीसरा वीकेंड का रिकॉर्ड

500 करोड़ी क्लब में एंट्री करने वाली छठी फिल्म बनी, वर्ल्डवाइड 700 करोड़ के करीब

बॉलीवुड की सबसे कमाऊ हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 18 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म इन 18 दिनों वर्ल्डवाइड 600 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार पहुंच चुकी है. फिल्म स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ी क्लब में एंट्री कर ली है. ऐसा करने वाली फिल्म स्त्री 2 छठवी फिल्म बन गई है. वहीं, स्त्री 2 आने वाले दिनों में बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है. बता दें, स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 593 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 502 करोड़ रुपये नेट कलेक्शन कर लिया है. स्त्री 2 अब 500 करोड़ी क्लब में जवान, एनिमल, पठान, गदर 2 और बाहुबली 2 के बाद छठे नंबर पर आ गई है. स्त्री 2 की 18 दिनों की कमाई 502 करोड़ रुपये हो चुकी है. स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बाहुबली (421 करोड़ रु.), रजनीकांत की 2.0 (407.05 करोड़ रु.), प्रभास की सालार (406.45 करोड़ रु.), केजीएफ 2- (434 करोड़ रु.) का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है. वहीं, फिल्म अब की नजर बाहुबली 2, गदर 2, पठान, एनिमल और जवान के घरेलू कलेक्शन पर है. बता दें, स्त्री 2 ने अपने तीसरे वीकेंड की कमाई से बाहुबली 2 के 7 साल से कायम थर्ड वीकेंड की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. स्त्री 2 ने अपने तीसरे वीकेंड 45.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर बाहुबली 2 के तीसरे वीकेंड की कमाई 42.55 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. स्त्री 2 को रिलीज हुए 19 दिन हो गए हैं और फिलहाल फिल्म के 18 दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आया है. ये हॉरर-कॉमेडी फिल्म अब दुनिया भर में 700 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंच गई है. सैकनिल्क की माने तो स्त्री 2 ने अब तक वर्ल्डवाइड 688.25 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 ने वर्ल्डवाइड 688.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ सनी देओल की गदर 2 को धूल चटा दी है. पिछले साल रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनिया भर में 686 करोड़ रुपए की कमाई की थी और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक स्त्री 2 का बजट महज 60 करोड़ रुपए है. ऐसे में फिल्म ने अपने बजट से 11 गुना ज्यादा कमाई कर ली है और ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. स्त्री 2 को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है जिसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के अलावा, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अहम रोल में नजर आए हैं.

मिन्नल मुरली स्टार टोविनो थॉमस की पैन-इंडिया फिल्म एआरएम का ट्रेलर रिलीज

12 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मिन्नल मुरली और 2018 जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले अभिनेता टोविनो थॉमस जल्द ही पैन-इंडिया फिल्म एआरएम में नजर आएंगे. इस फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है, और इसे लेकर फैंस में खासा उत्साह है. एआरएम एक फैंटेसी फिल्म है, जिसे डेब्यू निर्देशक जितिन लाल ने निर्देशित किया है. फिल्म में टोविनो के साथ कृति शेट्टी, ऐश्वर्या राजेश और सुरभी लक्ष्मी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी. एआरएम का निर्माण लिस्टिन स्टीफन और डॉ. ज़कारिया थॉमस ने किया है, और यह टोविनो थॉमस की 50वीं फिल्म है. फिल्म का बड़े पैमाने पर छह भाषाओं - मलयालम, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में पैन-इंडिया रिलीज किया जाएगा. एआरएम 12 सितंबर 2024 को ओणम के अवसर पर रिलीज होगी. फिल्म की स्टार कास्ट में कृति शेट्टी, ऐश्वर्या राजेश, सुरभि लक्ष्मी, बेसिल जोसेफ, जगदीश, हरीश उत्तमन, हरीश पेराडी, प्रमोद शेट्टी और रोहिणी शामिल हैं। सुजीत नांबियार ने पटकथा लिखी है और डिबू नैनन थॉमस ने इस महान कृति के लिए संगीत दिया है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महत्वाकांक्षी परियोजना के दायरे के साथ, एआरएम एक शानदार प्रभाव डालने के लिए तैयार है। फिल्म की सफलता का बहुत अधिक अनुमान है, और इसकी रिलीज़ एक शानदार आयोजन होने की उम्मीद है, जिसमें प्रमुख उद्योग खिलाड़ी कई भाषाओं में वितरण का काम संभालेंगे। मैत्री मूवीज़ 12 सितंबर को तेलुगु में फिल्म रिलीज़ कर रही है।

फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से करीना कपूर ने दिखाई अपनी नई झलक

करीना कपूर पिछले काफी समय से फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म से उनके कई पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसके बाद उनकी इस फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों की उत्सकुता बढ़ गई है।हाल ही में फिर करीना ने फिल्म से अपनी झलक सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को दिखाई। इसी के साथ अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज हो रहा है। करीना ने जो नया पोस्टर फिल्म से साझा किया है, इसमें उनका लुक एकदम अलग है। उनका गंभीर अवतार देखने को मिल रहा है। वह किसी को संदिग्ध नजरों से देख रही हैं।पोस्टर साझा कर करीना ने लिखा, ट्रेलर 3 सितंबर आएगा, मिलते हैं।हाल ही में निर्माताओं ने इस फिल्म का पहला गाना साडा प्यार टूट गया रिलीज किया था, जो एक जासूस के रूप में उनके किरदार के अलग-अलग रंग सामने लाता है। इस फिल्म से करीना बतौर निर्माता अपनी शुरुआत कर रही हैं। फिल्म जसमीत भामरा की कहानी है, जो एक जासूस और मां है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद बकिंघमशायर में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है, रहस्यों के जाल में उतरना है, जहां छोटे शहर का लगभग हर व्यक्ति संदिग्ध बन जाता है।फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता तो निर्माता एकता कपूर हैं। बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

अर्शिन मेहता की फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल: सामाजिक-राजनीतिक अशांति का मार्मिक चित्रण

एक फिल्म की कहानी बांग्लादेश की हिंदू महिला सुहासिनी (अर्शिन मेहता द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जो एक नरसंहार में अपने माता-पिता की मौत के बाद भागने के लिए मजबूर है। इस्लामिक उग्रवादी उसे सुंदरबन पार करने में मदद करते हैं, लेकिन उनका एक एजेंडा है। इस्लामिक उग्रवादी उसे इस्लाम में परिवर्तित करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में एक राजनीतिक पार्टी के लिए अधिक वोट हासिल करने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं। आगे जो कुछ होता है

वह परेशान करने वाली घटनाओं और उसकी परेशानियों की एक श्रृंखला है। फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक यजुर मारवाह, अर्शिन मेहता और रामेंद्र चक्रवर्ती जैसे अभिनेताओं का असाधारण अभिनय है। खूनी एक्शन सीक्वेंस, सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और लोकेशन चॉइस सहित सभी पहलुओं में प्रोडक्शन क्वालिटी में फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, फिल्म में अर्शिन (सुहासिनी) की मुश्?क?लों को बेहद दृढ़ विश्वास के साथ दिखाया गया है। यह उन आदिवासी लोगों की परेशानियों को भी प्रभावी ढंग से उजागर करता है, जो पुलिस और विद्रोहियों के बीच एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं, और दोनों तरफ से दबाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि वे इस पूरी कहानी को उसके मूल स्?वरूप में ही पेश करें। फिल्म का संगीत उस तनाव को और बढ़ाता है, जिसे निर्माता इस तरह से बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहानी न केवल समझ में आए, बल्कि महसूस भी हो। हालांकि कहानी वास्तविक है, लेकिन फिल्म में ढलने और गैर-रेखीय कहानी को समझने में कुछ समय लगता है। इसके अलावा, कुछ दृश्यों में हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को बहुत ज्यादा ग्राफिकल लग सकती है कुल मिलाकर, द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल एक जबरदस्त क्राइम ड्रामा है। इसमें कुछ ऐसे पल हैं, जो आपको झकझोर कर रख देंगे। हालांकि यह विषय को बहुत ईमानदारी से उजागर करती है, लेकिन वास्तविकता हमें चौंका देती है।